दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 05
अंकः- 161
मुरादाबाद
(Thursday)
02 October 2025
पृष्ठः- 08
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा,बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

संघ को कुचलने के प्रयास हुए, साजिशें हुईं, पर...: शताब्दी समारोह में PM मोदी ने गिनाईं RSS की उपलब्धियां

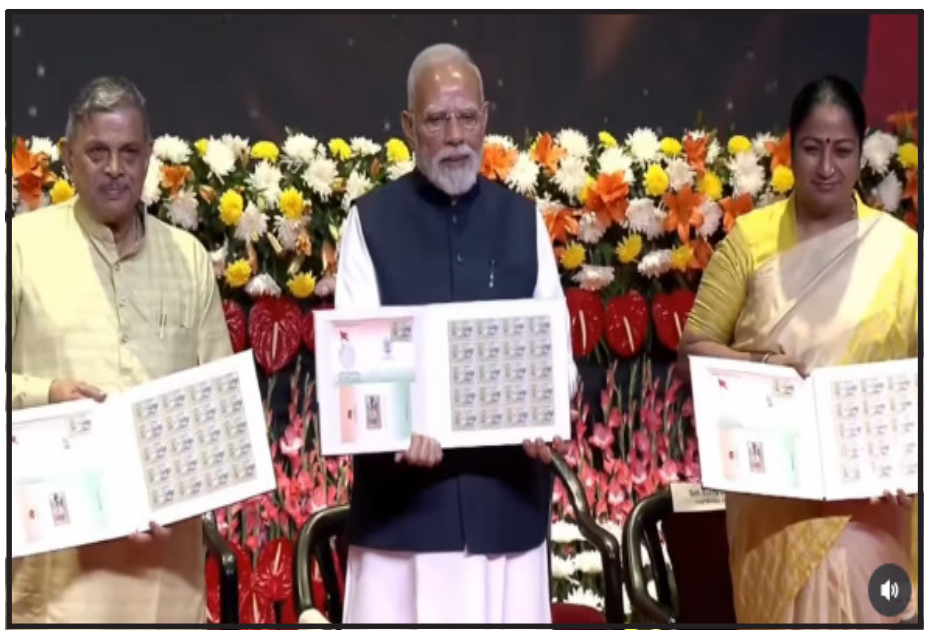

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को दिल्ली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस कार्यक्रम में पीएम मोदी ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के राष्ट्र के प्रति योगदान को रेखांकित करने वाला विशेष रूप से डिजाइन एक स्मारक डाक टिकट और सिक्के को जारी किया। इस साल विजयदशमी से लेकर 2026 विजयदशमी तक संघ शताब्दी वर्ष मनाएगा।पीएम मोदी डॉ. अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र में उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि यह हमारा सौभाग्य है कि हमें संघ जैसे संगठन का शताब्दी वर्ष देखने को मिल रहा है। उन्होंने स्वयंसेवकों शुभकामनाएं दीं और संघ के संस्थापक केशव बलिराम हेडगेवार को श्रद्धांजलि अर्पित की। देशवासियों को दी महानवमी की शुभकामनाएं- पीएम मोदी ने समारोह के दौरान कहा, आज महानवमी है। आज देवी सिद्धिदात्री का दिन है। मैं सभी देशवासियों को नवरात्रि की बधाई देता हूं। कल विजयादशमी का महापर्व है- अन्याय पर न्याय की जीत, असत्य पर सत्य की जीत, अंधकार पर प्रकाश की जीत है। विजयदशमी भारतीय संस्कृति के इस विचार और विश्वास का कालजयी उद्घोष है। ऐसे महान पर्व पर 100 वर्ष पूर्व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना ये कोई संयोग नहीं था। ये हजारों वर्षों से चली आ रही उस परंपरा का पुनरुत्थान था। जिसमें राष्ट्र चेतना, समय समय पर उस युग की चुनौतियों का सामना करने के लिए नए-नए अवतारों में प्रकट होती है। इस युग में संघ उसी अनादि राष्ट्र चेतना का पुण्य अवतार है। %सिक्के के ऊपर अंकित संघ का बोध वाक्य%- उन्होंने बताया कि संघ की 100 वर्ष की इस गौरवमयी यात्रा की स्मृति में आज भारत सरकार ने विशेष डाक टिकट और स्मृति सिक्के जारी किए हैं। पीएम ने जारी किए गए सिक्के की विशेषता बताते हुए कहा, 100 रुपए के सिक्के पर एक ओर राष्ट्रीय चिन्ह है और दूसरी ओर सिंह के साथ वरद-मुद्रा में भारत माता की भव्य छवि है। भारतीय मुद्रा पर भारत माता की तस्वीर संभवत: स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है। इस सिक्के के ऊपर संघ का बोध वाक्य भी अंकित है- राष्ट्राय स्वाहा, इदं राष्ट्राय इदं न मम। 1963 में 26 जनवरी की परेड में शामिल हुए थे स्वयंसेवक 1963 में ऋस्स् के स्वयंसेवक भी 26 जनवरी की परेड में शामिल हुए थे। उन्होंने बहुत आन-बान-शान से राष्ट्रभक्ति की धुन पर कदमताल किया था।

जिस तरह विशाल नदियों के किनारे मानव सभ्यताएं पनपती हैं, उसी तरह संघ के किनारे भी और संघ की धारा में भी सैकड़ों जीवन पुष्पित, पल्लवित हुए हैं। अपने गठन के बाद से ही राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विराट उद्देश्य लेकर चला। ये उद्देश्य रहा- राष्ट्र निर्माण। प्रधानमंत्री ने आगे कहा, संघ के बारे में कहा जाता है कि इसमें सामान्य लोग मिलकर असामान्य और अभूतपूर्व कार्य करते हैं। व्यक्ति निर्माण की ये सुंदर प्रक्रिया हम आज भी संघ की शाखाओं में देखते हैं। संघ शाखा का मैदान एक ऐसी प्रेरणा भूमि है, जहां स्वयंसेवक की अहं से वयं तक की यात्रा शुरु होती है। संघ की शाखाएं व्यक्ति निर्माण की यज्ञ वेदी है। राष्ट्र निर्माण का महान उद्देश्य, व्यक्ति निर्माण का स्पष्ट पथ, शाखा जैसी सरल, जीवंत कार्यपद्धति। यही संघ की सौ वर्षों की यात्रा का आधार बने। संघ ने कितने ही बलिदान दिये। लेकिन भाव एक ही रहा - राष्ट्र प्रथम... लक्ष्य एक ही रहा - एक भारत, श्रेष्ठ भारत।संघ के खिलाफ साजिशें हुईं, कुचलने के प्रयास हुए%- पीएम मोदी ने संघ के खिलाफ साजिशों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, राष्ट्र साधना की इस यात्रा में ऐसा नहीं है कि संघ पर हमले नहीं हुए, संघ के खिलाफ साजिशें नहीं हुईं, हमने देखा है कि कैसे आजादी के बाद संघ को कुचलने का प्रयास हुआ। मुख्यधारा में आने से रोकने के अनगिनत षड्यंत्र हुए। परमपूज्य गुरुजी को झूठे केस में फंसाया गया, उन्हें जेल तक भेज दिया गया। लेकिन जब पूज्य गुरुजी जेल से बाहर आए तो उन्होंने सहज रूप से कहा और शायद इतिहास में सहज भाव एक बहुत बड़ी प्रेरणा है। उन्होंने सहजता से कहा था कि कभी-कभी जीभ दांतों के नीचे आकर दब जाती है, कुचल भी जाती है, लेकिन हम दांत नहीं तोड़ देते हैं, क्योंकि दांत भी हमारे हैं और जीभ भी हमारी है। पीएम ने कहा कि संघ प्रारंभ से राष्ट्रभक्ति और सेवा का पर्याय रहा है। जब विभाजन की पीड़ा ने लाखों परिवारों को बेघर कर दिया तब स्वयंसेवकों ने शरणार्थियों की सेवा की। समाज के साथ एकात्मता और संवैधानिक संस्थाओं के प्रति आस्था ने संघ के स्वयंसेवकों को हर संकट में स्थितप्रज्ञ रखा है, समाज के प्रति संवेदनशील बनाए रखा है। %सरकारों ने लंबे समय तक संघ को नहीं दी प्राथमिकता% - प्रधानमंत्री मोदी ने संघ से जुड़े कार्यकर्ताओं की विशेषता बताते हुए कहा, खुद कष्ट उठाकर दूसरों के दुख हरना। ये हर स्वयंसेवक की पहचान है। संघ देश के उन क्षेत्रों में भी कार्य करता रहा है जो दुर्गम हैं, जहां पहुंचना सबसे कठिन है। हमारे देश में लगभग 10 करोड़ आदिवासी भाई-बहन हैं। जिनके कल्याण के लिए संघ लगातार प्रयासरत है। लंबे समय तक सरकारों ने उन्हें प्राथमिकता नहीं दी, लेकिन संघ ने उनकी संस्कृति, उनके पर्व उत्सव, उनकी भाषा और परंपराओं को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। सेवा भारती, विद्या भारती, एकल विद्यालय, वनवासी कल्याण आश्रम आदवासी समाज के सशक्तिकरण का स्तंभ बनकर उभरे हैं।

संक्षिप्त समाचार

मधुमेह मरीज के लिए भारत में डेनमार्क की दवा को मंजूरी, मोटापा भी घटाएगी; जानिए खासियत

मधुमेह के मरीजों के लिए अच्छी खबर है। भारत में यूरोपीय देश डेनमार्क में बनी दवा को मंजूरी दी गई है। जानकारी के मुताबिक इस दवा के इस्तेमाल से मोटापा घटाने में भी मदद मिलेगी।टाइप 2 मधुमेह के मरीजों के लिए भारत ने डेनमार्क की नई दवा को मंजूरी दी है। नई दिल्ली स्थित केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) ने सेमाग्लूटाइड नामक दवा को भारतीय बाजार में लाने की आधिकारिक अनुमति दी है जो एक फिनिश्ड फॉर्मुलेशन है यानी यह दवा पूरा प्रोसेस करके, पैक करके, इंजेक्शन के रूप में तैयार हो चुकी है। वयस्क मरीजों के लिए है दवा- सेसाग्लूटाइड इंसुलिन की तरह काम करने वाला अणु है जो लूकागज लाइक पेप्टाइड-1 रिसेप्टर एगोनिस्ट श्रेणी की दवा है। यह उन वयस्क मरीजों के लिए है जिन्हें आहार और व्यायाम से पर्याप्त नियंत्रण नहीं मिल रहा और मेटफॉर्मिन जैसी पारंपरिक दवाएं या तो सहन नहीं हो पा रही हैं या फिर प्रभावी नहीं हैं।हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसे हृदय रोगों के खतरे कम होते हैं- ओजेम्पिक नाम से भी चर्चित यह दवा ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित करने के साथ-साथ हार्ट अटैक और स्ट्रोक जैसे हृदय रोगों के खतरे को भी कम करती है। साथ ही, दुनियाभर में हुए क्लिनिकल ट्रायल्स ने दिखाया है कि इसका असर वजन कम करने में भी कारगर है। । इसे मोटापे से जूझ रहे मरीजों के लिए भी आशा की दवा माना जा रहा है।

राष्ट्रपति मर्मू ने सीडीएस और तीनों सेनाओं के प्रमुखों से की मुलाकात, इन मुद्दों पर की चर्चा

राष्ट्रपति द्रौपदी मर्मू ने सीडीएस जनरल अनिल चौहान और थल, वायु, नौसेना प्रमुखों से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की। इसके बाद महामहिम ने राष्ट्रपति की अंगरक्षकों को उनके 75 वर्षों की सेवा के लिए डायमंड जुबिली सिल्वर ट्रंपेट और ट्रंपेट बैनर प्रदान किया। इस दौरान अंगरक्षको के प्रतिष्ठित घोड़े 'वीरात' को भी सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मर्मू ने मंगलवार को राष्ट्रपति भवन में मुख्य रक्षा अधिकारी जनरल अनिल चौहान और थल, वायु और नौसेना प्रमुखों से मुलाकात की। राष्ट्रपति कार्यालय ने इस मुलाकात की तस्वीरें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा की हैं। यह बैठक भारत की सैन्य नेतृत्व की मजबूती और रणनीतिक संवाद को दर्शाती है। राष्ट्रपति मर्मू ने सीडीएस जनरल अनिल चौहान के साथ सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह और नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के. त्रिपाठी से मुलाकात की। बैठक का उद्देश्य देश की सुरक्षा, सैन्य तैयारियों और प्रमुख मामलों पर विचार-विमर्श करना बताया गया। राष्ट्रपति की अंगरक्षकों का सम्मान- राष्ट्रपति ने राष्ट्रपति की अंगरक्षकों (पीबीजी) को उनके 75 वर्षों की शानदार सेवा के लिए डायमंड जुबिली सिल्वर ट्रंपेट और ट्रंपेट बैनर प्रदान किया। इस अवसर पर 'वीरात', अंगरक्षक के प्रतिष्ठित अश्व को भी सम्मानित किया गया। राष्ट्रपति ने समारोह में कहा कि हम सभी अंगरक्षकों की सेवा और परंपराओं पर गर्व महसूस करते हैं। पीबीजी का ऐतिहासिक महत्व राष्ट्रपति की अंगरक्षकों की स्थापना 1773 में गवर्नर-जनरल के अंगरक्षक के रूप में हुई थी, जिसे बाद में वायसरॉय के अंगरक्षक के नाम से जाना गया। 27 जनवरी 1950 को इसे राष्ट्रपति की अंगरक्षकों के रूप में नामित किया गया। यह एकमात्र रेजिमेंट है जिसे दो 'स्टैंडर्ड' राष्ट्रपति का स्टैंडर्ड और रेजिमेंटल स्टैंडर्ड धारण करने की अनुमति है। अद्वितीय संबंध और परंपरा- पीबीजी के कर्मियों और उनके घोड़ों के बीच विशेष संबंध है। रिटायरमेंट के बाद भी 'वीरात' को अपनाया गया, जो इस बंधन का प्रतीक है। पीबीजी के कर्मी उत्कृष्ट अश्वारोही, टैंक विशेषज्ञ और पैराट्रूपर्स होते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 26 जनवरी, 2022 को गणतंत्र दिवस पर इस घोड़े को प्यार से थपथपाया था। चयन प्रक्रिया और वर्तमान संरचना- आज पीबीजी विशेष शारीरिक क्षमताओं वाले हाथ से चुने गए व्यक्तियों का संगठन है। इसकी चयन प्रक्रिया बहुत कठोर होती है। वर्तमान में यह रेजिमेंट समारोहों और राष्ट्रपति के प्रतिनिधित्व के लिए जिम्मेदार है। इसकी पेशेवर उत्कृष्टता और सैन्य परंपराओं का पालन इसे भारतीय सेना में अनूठा बनाता है।

केंद्रीय कर्मियों का डीए बढ़ा, 1 करोड़ 18 लाख कर्मचारियों व पेंशनधारकों को मिला दिवाली का तोहफा

सरकार से जुड़े सूत्रों के अनुसार केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी। महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी सातवें वेतन आयोग के तहत आने वाले सभी केंद्र सरकार के कर्मचारियों के साथ-साथ पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों पर भी लागू होगी। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने बुधवार को केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए महंगाई भत्ते (डीए) में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दे दी। दशहरा और दिवाली जैसे त्योहारों से पहले महंगाई भत्ते में यह बढ़ोतरी की गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट में लिए गए फैसलों की जानकारी दी है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि कैबिनेट ने गेहूं का एमएसपी 160 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाकर 2,585 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया है। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया है कि कैबिनेट ने 49.2 लाख केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों और 68.7 लाख पेंशनभोगियों को लाभ पहुंचाने के लिए डीए/डीआर में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी को मंजूरी दी गई है। इसके साथ यह दर मूल वेतन और पेंशन के 55 प्रतिशत से बढ़कर 58 प्रतिशत हो गई। यह बढ़ोतरी 1 जुलाई, 2025 से लागू होगी। जुलाई, अगस्त और सितंबर का बकाया दिवाली से ठीक पहले अक्तूबर के वेतन के साथ दिया जाएगा। सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए कहा कि डीए और डीआर में वृद्धि के कारण राजकोष पर कुल मिलाकर 10,083.96 करोड़ रुपये प्रति वर्ष की लागत आएगी। यह वृद्धि 7वें केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों पर आधारित स्वीकृत फार्मूले के अनुसार है।सरकार से जुड़े सूत्रों के अनुसार महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी सातवें वेतन आयोग के तहत आने वाले सभी केंद्र सरकार के कर्मचारियों के साथ-साथ पेंशनभोगियों और पारिवारिक पेंशनभोगियों पर भी लागू होगी। महंगाई भत्ते में इजाफे के बाद ?30,000 मूल वेतन वाले कर्मचारी को हर महीने ?900 अतिरिक्त मिलेंगे। वहीं ?40,000 वेतन वाले कर्मचारी को ?1,200 अतिरिक्त मिलेंगे। तीन महीनों में, बकाया राशि कुल ?2,700 से ?3,600 होगी। डीए में बढ़ोतरी त्योहारों के समय मौके पर केंद्रीय कर्मियों को राहत देगी।

झांसी जेल पहुंचा माफिया अतीक का बेटा अलीः योगी आदित्यनाथ से लगाई गुहार बोला- अब और ना सताया जाये...बचा लें

अली अहमद ने मुख्यमंत्री योगी से गुहार लगाते हुये कहा कि अब और न सताया जाये, जो हो गया सो हो गया, जो अन्यथा सताया जा रहा है उससे बचा ले।कुख्यात माफिया अतीक अहमद का बेटा अली अहमद बुधवार दोपहर भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच झांसी जेल शिफ्ट कर दिया गया। झांसी जेल पहुंचने पर मीडिया कर्मियों से बात करते हुए अली अहमद ने कहा मीडिया वालों के माध्यम से मुख्यमंत्रीजी से निवेदन है कि अब और न सताया जाये, जो हो गया सो हो गया, जो अन्यथा सताया जा रहा है उससे बचा ले। वहीं, उसने यह भी आरोप लगाया कि सरकार ने परेशान करने के लिए जानबूझकर उसकी जेल बदली है। अली ने बताया कि नैनी सेंट्रल जेल में वह पूरे नियम कायदे के साथ रह रहा था। लेकिन परेशान करने के मकसद से उसे प्रयागराज से दूर झांसी भेजा गया। रास्ते भर में उसे पीने के लिए पानी तक नहीं दिया गया। नैनी सेंट्रल जेल में अधिवक्ताओं के सिवाय उससे कोई भी मिलने नहीं आता था। बुधवार दोपहर करीब 2ः35 बजे पुलिस जीप में अली अहमद झांसी जेल पहुंचा। यहां मीडिया कर्मियों का भारी जमावड़ा था। किसी तरह पुलिसकर्मी जेल का गेट खोलकर उसे भीतर ले गए। जेल के भीतर पहले उसकी आमद कराई गई। इसके बाद तलाशी लेकर भीतरी सेल में ले जाया गया। अभी उसे तन्हा बैरक में रखा जाएगा। वरिष्ठ जेल अधीक्षक विनोद कुमार के मुताबिक जेल नियमों के तहत ही उसे सेल के अंदर रखा जाएगा।

मल्लिकार्जुन खरगे की तबीयत बिगड़ी, अस्पताल में भर्ती; बेटे ने बताया- पेसमेकर लगाया जाएगा

मल्लिकार्जुन खरगे को आगामी 7 अक्तूबर को नगालैंड के कोहिमा जाने का कार्यक्रम है, जहां वे एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे। इस जनसभा में 10 हजार लोगों के पहुंचने की उम्मीद है, लेकिन अब खरगे की तबीयत बिगड़ने के बाद उनके नगालैंड दौरे पर संशय के बादल मंडरा गए हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की तबीयत बिगड़ने की खबर सामने आई है। जिसके बाद खरगे को बंगलूरू के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, कांग्रेस अध्यक्ष 83 वर्षीय मल्लिकार्जुन खरगे को बंगलूरू के एमएस रमैया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, खरगे को मंगलवार को बुखार और पैरों में दर्द की समस्या हुई, जिसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। डॉक्टर उनकी स्थिति पर नजर रखे हुए हैं। प्रियांक खरगे ने बताया, पेसमेकर लगाया जाएगा मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे और कर्नाटक सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने सोशल मीडिया पर साझा एक पोस्ट में बताया कि उनके पिता को पेसमेकर लगाया गया है। प्रियांक खरगे ने लिखा कि %श्री खरगे को पेसमेकर लगाने की सलाह दी गई थी और अब वे उसी के लिए अस्पताल में भर्ती हुए हैं। उनकी हालत स्थिर है और वे ठीक हैं। आप सभी की चिंताओं और शुभकामनाओं के लिए बहुत आभार।% गौरतलब है कि किसी व्यक्ति को पेसमेकर तब लगाया जाता है, जब उनके दिल की धड़कन धीमी या तेज या अनियंत्रित रहे, हृदय संबंधी समस्या हो, हृदय में ब्लॉकेज हो। कांग्रेस अध्यक्ष की हालत स्थिर-कांग्रेस नेताओं का कहना है कि घबराने वाली कोई बात नहीं है और कांग्रेस अध्यक्ष की हालत स्थिर है। मल्लिकार्जुन खरगे भारतीय राजनीति के मौजूदा दौर के बड़े नेताओं में शुमार किए जाते हैं। अक्तूबर 2022 में वे कांग्रेस अध्यक्ष चुने गए। मल्लिकार्जुन खरगे को आगामी 7 अक्तूबर को नगालैंड के कोहिमा जाने का कार्यक्रम है, जहां वे एक जनसभा को भी संबोधित करेंगे।

संपादकीय Editorial

Media in the broken pot of debate

Many things are known when the salaries and allowances of the representatives come out in the open. If politics is a profession, then salary is also a right. Politics has got a ground to live on, so every victory has privileges attached to it. When the Himachal Vidhan Sabha was increasing the salary of the MLAs with a happy consensus, the media was getting the news of what the community is. That is why the youth of the press gallery were mentioned again and again in the House and the media sitting in the broken pot of every debate was also cursed, because journalism has neither rights nor privileges in democracy. In the era of inflation, democratic protection has become expensive, that is, every pillar of it needs expenditure, perhaps that is why 'Electoral Bond' was invented and also stopped by its miracle. The public sees the cost of every election in a dilemma. It is very difficult to become an MLA or MP after winning. Now even the election of Panchayat Councilor is a financial system. Therefore, if we hear the heartbeat of the next election in the payment of salary, then it is insufficient. Can anyone bear the cost of elections by saving on his salary and allowances? It is certainly very difficult to go through elections. If the salaries of MPs are increased, then naturally the need to increase the salaries of MLAs of the state increases. At least in the test of increasing salaries, the double engine proves useful. The BJP MLAs who spoke in the debate in the House spoke very well. They spoke in favour of the government and the reality of the state, but we will only say that with the same passion these responsible representatives should also speak in the ears of the Center in favour of Himachal. When did we once see the details of the capability of the elected representative in his education. He can become entitled to salary and pension after spending five years, because it is his constitutional right. This is the democracy here. We can say that the democracy of India is in a good mood and can always remain so, provided the honorables are not worried about what is the inflation rate in the country, what are their needs, what are their facilities, how much is their authority, how crippled is the country or how much debt is there on the state. By the way, the attendance register determines that there is discipline in getting salary, so the journalist who waits for news all day, marks his absence from salary. It is a different matter that now media's attendance is being signed by politics, journalists are being present in every court. Media is no longer just newspapers, so MLAs have also started uploading videos of their news or have started sharing them on digital channels here and there. As much as it was inside the House, it is more outside as well, because the videos of MLAs have now started becoming the property and views of journalists, still there is a complaint that journalists are not loyal. Those who bow down to the friendly side of the media on the issues of their videos from the honorable House, their contact with the public, debates between the ruling and opposition parties, political gossips and their image, if the same curse journalism on the justification of their salary, then it will have to be accepted on which basis of democracy their powers are being displayed. Within the limits of the arguments on which the salaries and allowances of the MLAs should be increased, it is unnecessary to criticize the financial recommendation in favor of the financial system of the state, the ambitions of the unemployed and the self-reliance and independence of the journalists. About half a dozen newspapers are being published from Himachal and the same number are coming from outside, so this is also an investment of employment. If the state has to stay close to words.

Bareilly controversy: Is 'Ghazwa-e-Hind' really possible in this country?

The question is bound to arise: what was the real purpose of the 'I Love Mohammad' campaign, and what connection does this exercise have with 'Ghazwa-e-Hind'? The 'I Love You Mohammad' poster controversy, which began in Kanpur, Uttar Pradesh, escalated into violent protests by protesters in Bareilly, and in Ahilya Nagar, Maharashtra, serious communal tensions erupted after someone created a rangoli with the words 'I Love Mohammad'. A pattern in these incidents suggests that nothing is sudden or spontaneous. While there is nothing wrong with loving one's God or His messenger at first glance, if the motive behind doing so is illicit, questions are bound to arise. And it's not just one party that's responsible for fueling this. While the Kanpur controversy had largely subsided, it was later spread elsewhere with the intention of further escalating it. In response, some Hindu organizations also launched a counter-poster war, "I Love Mahadev." Following the Bareilly violence, Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath sternly declared that the "Ghazwa-e-Hind" motives in India would be crushed. Such action would be taken against the perpetrators that future generations would remember. What was the real purpose? - The question that arises here is: what was the real purpose of the "I Love Mohammad" campaign and what connection does this exercise have with "Ghazwa-e-Hind"? What kind of concept is this, and is it practically feasible today, or is it merely being used to stir up radical sentiments among Muslims? Can it be completely crushed? The question also arises: was what happened in Bareilly merely the result of immense love for Prophet Muhammad or merely a trailer of a conspiracy to spread violence and anarchy across the country? Critics believe that this Muslim violence is actually the bursting of a safety valve of anger stemming from the Modi-Yogi government's attitude towards them. The only solution is mutual dialogue and courtesy. Many believe that Muslim dissatisfaction with the government is justified, but the manner in which it is being expressed poses a serious threat to the unity and integrity of the country. This cannot be brushed under the carpet as merely an expression of public anger. Is it wrong to express one's love by putting up posters? First, let's talk about "I love you, Muhammad." There cannot be a single Muslim who does not love Prophet Muhammad. When a person accepts Islam, they are first made to recite the Kalma: "None is worthy of worship except Allah, Muhammad is the Messenger of Allah." This is where the unwavering faith in Prophet Muhammad begins. Muslims generally add "Sallallahu alaihi wa sallam" (peace and blessings of Allah be upon him) with respect before his name. So, is it wrong to express their spiritual devotion to Muhammad by putting up posters? Should this be considered a new tradition? However, some considered it "new" because such posters are not usually seen in Milad-un-Nabi processions. Yet, why did this expression of love turn into a violent demonstration? Some argue that the protests were sparked by the Kanpur police filing a case against some individuals in the poster incident. Certainly, one can object to the police action, but what is the point of fanning this flame? Was this truly done with the intention of "Ghazwa-e-Hind" or Is this being exaggerated? Before understanding this, it's important to understand Ghazwa-e-Hind. The Arabic word "Ghazwa-e-Hind" literally means "Islamic military conquest of Hind (India)." In other words, the Islamization of all of India. This is because India is primarily a country of idol worshippers, and idol worship is forbidden in Islam. However, some scholars interpret "Ghazwa" to mean "campaign." Islamic scholars have differing opinions on the interpretation of "Ghazwa-e-Hind." Last year, Darul Uloom Deoband, the highest institution of Sunni Islam in Uttar Pradesh, issued a fatwa justifying Ghazwa-e-Hind, which sparked considerable controversy. Darul Uloom posted this fatwa on its official website. The National Commission for Protection of Child Rights declared this fatwa anti-national. Darul Uloom was asked whether the Hadith (the most sacred book after the Quran) mentions Ghazwa-e-Hind. Citing the Sahihistat book Sunan al-Nasa'i, Darul Uloom Deoband stated that it contains an entire chapter on Ghazwa-e-Hind. According to the fatwa, a hadith attributed to Hazrat Abu Huraira, a close associate of the Prophet Muhammad, speaks of Ghazwa-e-Hind. Huraira said, "I will fight in this battle and sacrifice all my wealth. If I die, I will be a great martyr. If I survive, I will be called a Ghazi (conqueror)." Some Islamic scholars, such as Yunus Al-Gohar, co-founder of the British Messiah Foundation International, believe that people are being misled by linking Ghazwa-e-Hind to a hadith. Ghazwa-e-Hind does not mention the killing of Hindus, Sikhs, or those who did not accept Islam. Ghazwa is defined as a battle in which Muhammad himself was physically involved. This means that neither did a Ghazwa occur nor does it exist, which people are now seeing as a battle. They are saying this, but if something like this were to happen and Muhammad Sahib wasn't involved, it wouldn't be a Ghazwa, but a massacre. It's a different matter that despite nearly 600 years of Muslim rule in India, a 'Ghazwa-e-Hind' never happened. This is also due to our deep religious and cultural roots, which, despite our profound contradictions, remain unresolved. On the other hand, Bihar Governor and jurist Arif Mohammad Khan believes that a false campaign is being run in India under the name of Ghazwa-e-Hind. Its purpose is to instill in people the idea that Muslims will dismember India. No one will accept this. What is the opinion of Islamic scholars? According to Islamic scholar Dr. Maulana Waris Mazhari, "Ghazwa-e-Hind" is mentioned in only one of the six authentic collections of Hadiths. Its narrations only mention one companion, Abu Huraira. Therefore, it seems that this narration is not accurate and was written long after the Prophet Muhammad's time by the rulers of the Umayyad Caliphate to give an Islamic garb and justify their policy of invasion and expansion. However, many Islamic terrorist organizations around the world adhere to the same interpretation of global Islamic conquest and advocate the implementation of Sharia law everywhere. Some Indian Islamic scholars believe that Ghazwa-e-Hind has already been accomplished by the previous attacks on India. While some Muslim scholars believe that this work is only 50% complete. It is noteworthy that in Islam, the world is divided into two parts: one, where followers of Islam rule, i.e., "Dar-ul-Islam," and two, where Muslims live but are ruled by followers of a non-Islamic religion. This is called "Dar-ul-Harb." Some extreme Muslims believe that since India has a sufficient number of Muslims (approximately 250 million) to rule, India should also be "Dar-ul-Islam." Non-Islamic (infidel) religions have no place here. By the way, a radical organization called "Ghazwa-e-Hind" is also active in India. Two years ago, the NIA raided seven locations in three states related to cases related to this organization. The Islamic fundamentalist organizations waging jihad against India have the same motto, "Ghazwa-e-Hind." Bareilly Violence and Chaos: As for the Bareilly violence, it is reported that a large number of people took to the streets, carrying placards reading "I Love Mohammad," at the Ala Hazrat Dargah and responding to the appeals of Ittehad-e-Millat Council chief Maulana Tauqeer Raza Khan. Police attempted to stop the protesters, leading to stone-pelting, clashes, lathi-charges, and firing. Several people, including policemen, were injured. It is reported that a letter attributed to Maulana Tauqeer Raza went viral before Friday prayers, urging people not to participate in the protests. Although the Maulana denied the letter, the crowd had already been mobilized. The manner in which the incident unfolded suggests pre-planned violence. Another reason is cited for the riot in Bareilly. Children were playing cricket near the Muslim community's "I Love Mohammad" poster. A ball struck the poster, sparking public anger. The matter soon took a political turn. UP government minister Jaiveer Singh said that the entire state knows the purpose of the "I Love Mohammad" issue... "This is a deliberate conspiracy by some people to disrupt peace and law and order." Meanwhile, the opposition questioned the lathi charge on rioters, with Akhilesh Yadav writing on social media, "Governments run by harmony and goodwill, not lathi charge. Highly condemnable!" Maulana Khalid Saifullah Rahmani, president of the All India Muslim Personal Law Board, objected to the Bareilly lathi charge, saying that expressing love is a fundamental right. Expressing love for Prophet Muhammad is not a violation of the law. However, the way this controversy is escalating, it seems there is a plan to spread unrest across the country. If what started as love has escalated to the point of "military victory," it is bound to raise concerns. UP Chief Minister Yogi Adityanath sees this as a warning of a deeper conspiracy. That's why, at an event in Lucknow, CM Yogi, speaking harshly about the Bareilly violence, said that the Maulana had forgotten who was in power in Uttar Pradesh. He explained in the language he understood. We have clearly stated that there will be no road blockades or curfews in the city. These are the people who mislead society with false slogans. Meanwhile, at a rally in Balrampur, Yogi Adityanath declared that "Ghazwa-e-Hind" will not take place on Indian soil. Those who create trouble will be sent to hell. This government will not tolerate anarchy at all. It remains to be seen what happens next, but what is happening is not good for national harmony. The country needs Ghazwa-e-Aman, not Ghazwa-e-Hind.On the other hand, Bihar Governor and jurist Arif Mohammad Khan believes that a false campaign is being run in India under the name of Ghazwa-e-Hind. Its purpose is to instill in people the idea that Muslims will dismember India. No one will accept this. What is the opinion of Islamic scholars? According to Islamic scholar Dr. Maulana Waris Mazhari, "Ghazwa-e-Hind" is mentioned in only one of the six authentic collections of Hadiths. Its narrations only mention one companion, Abu Huraira. Therefore, it seems that this narration is not accurate and was written long after the Prophet Muhammad's time by the rulers of the Umayyad Caliphate to give an Islamic garb and justify their policy of invasion and expansion. However, many Islamic terrorist organizations around the world adhere to the same interpretation of global Islamic conquest and advocate the implementation of Sharia law everywhere. Some Indian Islamic scholars believe that Ghazwa-e-Hind has already been accomplished by the previous attacks on India. While some Muslim scholars believe that this work is only 50% complete. It is noteworthy that in Islam, the world is divided into two parts: one, where followers of Islam rule, i.e., "Dar-ul-Islam," and two, where Muslims live but are ruled by followers of a non-Islamic religion. This is called "Dar-ul-Harb." Some extreme Muslims believe that since India has a sufficient number of Muslims (approximately 250 million) to rule, India should also be "Dar-ul-Islam." Non-Islamic (infidel) religions have no place here. By the way, a radical organization called "Ghazwa-e-Hind" is also active in India. Two years ago, the NIA raided seven locations in three states related to cases related to this organization. The Islamic fundamentalist organizations waging jihad against India have the same motto, "Ghazwa-e-Hind." Bareilly Violence and Chaos: As for the Bareilly violence, it is reported that a large number of people took to the streets, carrying placards reading "I Love Mohammad," at the Ala Hazrat Dargah and responding to the appeals of Ittehad-e-Millat Council chief.

कप्तान अमित कुमार आनंद द्वारा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत दो अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखुँ सच/ताज मलिक/ जिला अमरोहा /उत्तर प्रदेश थाना बछरायुं कप्तान अमित कुमार आनंद द्वारा अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे हैं अभियान के तहत तथा अंजलि कटारिया के निकट पर्यवेक्षण में व थाना अध्यक्ष थाना बछरायूं के कुशल नेतृत्व में थाना बछरायुं पुलिस द्वारा दो वारंटी एक अभियुक्त रिजवान पुत्र छोटे निवासी मोहल्ला लाल मस्जिद थाना हसनपुर जिला अमरोहा संबंधित मुकदमा अपराध संख्या 85 /23 व अपराध संख्या 231/ 22, धारा 13जी एक्ट मान्य न्यायालय धनौरा जनपद अमरोहा एक अभियुक्त राजू पुत्र राम सिंह निवासी ग्राम डंगरौली थाना हसनपुर जनपद अमरोहा संबंधित मुकदमा अपराध संख्या 1405/ 24 अपराध संख्या 205 /13,धारा 457/ 380/ 41 भारतीय दंड विधि विविध चलानी थाना बछरायूं तारीख पेशी 03 ⁼10 ⁼ 025 मान्य न्यायालय सिविल जज (जू0 डि0) जे एम एफ0 ,टी0, सी0 प्रथम के समक्ष गिरफ्तार कर मान्य न्यायालय भेजा जा रहा है गिरफ्तार करने वाली टीम उप निरीक्षक कृपाल सिंह,उप निरीक्षक संयोग तोमर, हेड कांस्टेबल 422 दिनेश कुमार, हेड कांस्टेबल सरताज हुसैन, थाना बछरायूं जिला अमरोहा

विवेचना में लापरवाही... क्राइम इंस्पेक्टर और एसएसआई निलंबित, आरोपियों को संरक्षण देने का आरोप

अमरोहा में हैंडलूम कारोबारी और पूर्व सीओ के बेटे की आत्महत्या मामलों की विवेचना में लापरवाही बरतने पर एसपी ने बड़ी कार्रवाई की है। उन्होंने एसएसआई और अपराध इंस्पेक्टर को निलंबित कर दिया गया। दोनों विवेचकों पर आरोपियों से मिले होने के आरोप लगे थे।हैंडलूम कारोबारी गुफरान और पूर्व सीओ ताहिर उस्मानी के बेटे व प्रॉपर्टी डीलर राहिल उस्मानी की आत्महत्या के मामले में एसपी ने बड़ी कार्रवाई की है। दोनों मामलों के विवेचक एसएसआई अभिलाष प्रधान और अपराध इंस्पेक्टर रणदीप पुंडीर को निलंबित कर दिया है। दोनों पर विवेचना में लापरवाही बरतने का आरोप है। हैंडलूम कारोबारी की मौत के मामले में एसएसआई ने आरोपियों को हाईकोर्ट से स्टे लाने तक का समय दे दिया। उनकी गिरफ्तारी करने तक का प्रयास नहीं किया जबकि प्रॉपर्टी डीलर राहिल की मौत में भी अपराध इंस्पेक्टर रणदीप पुंडीर भी लापरवाही बरत रहे थे।उन्होंने भी आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की है। दोनों ही विवेचकों के ऊपर आरोपियों से हमसाज होने के आरोप लग रहे थे। 24 अगस्त को अमरोहा के मोहल्ला नल अताउल्लाह के बेटे हैंडलूम कारोबारी गुफरान घर में ही फंदे पर लटककर जान दे दी थी। उन्होंने सुसाइड नोट और एक वीडियो छोड़ा था। जान देने से पहले गुफरान ने आरोप लगाया था कि मोहल्ला कोट निवासी फजल, मोहल्ला सराय कोहना निवासी सोनू कबाब वाला, बबलू व मोहसिन, मोहल्ला चाहमुल्लान निवासी अयूब बावर्ची, मोहल्ला बटवाल निवासी तंजीम बेग, मोहल्ला तलवार शाह निवासी सलीम और गुफरान की भाभी सना उसे परेशान कर रहे थे। 24 अगस्त के शाम चार बजे फजल ने गुफरान को कोट चौकी पर बुलाया। यहां पर पहले से सभी आरोपी मौजूद थे। सभी ने पुलिस चौकी के पास ही गुफरान के साथ बदतमीजी और मारपीट की। इसके बाद गुफरान को चौकी से दुकान पर ले गए और बंधक बनाकर पीटा। इस मामले में पुलिस ने गुफरान की भाभी सना समेत आठ लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी। मामले की विवेचना एसएसआई अभिलाष प्रधान कर थे। मामले में पुलिस ने सिर्फ सना को जेल भेजकर पल्ला झाड़ लिया। बाद में आत्महत्या के लिए उकसाने वाले सात आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं की। इस मामले में कारोबारी गुफरान के पिता अताउल्लाह विवेचक अभिलाष प्रधान आरोपियों को गिरफ्तार नहीं करने का आरोप लगाया था।

बच्चों के विवाद के बाद भिड़े बड़े... कुल्हाड़ी से हमला कर किसान की हत्या, तीन भाई घायल, अमरोहा की घटना

बावनपुरा माफी गांव में बच्चों के झगड़े के बाद दो पक्षों में मारपीट हो गई। इसमें किसान रामपाल सिंह (35) की मौत हो गई। आरोप है कि दूसरे गुट ने हमला किया। पुलिस ने पांच आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। के बाद दो पक्षों में जमकर लाठी-डंडे किसान रामपाल सिंह (35) की हत्या जयप्रकाश घायल कर दिया। धर्मेंद्र की पुलिस ने जांच की। मामले में आरोपी पक्ष के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। कर रही है। पुलिस के मुताबिक गांव में हैं।मंगलवार को दोनों परिवारों के बच्चे में बच्चों के बीच झगड़ा हो गया। बाद में परिजनों को बताई। इसके बाद में दोनों शाम को बलवीर सिंह ने अपने बेटे रवि, रहने वाले रिश्तेदार विकास के साथ रामपाल सिंह, सोमपाल और धर्मेंद्र पर लाठी डंडों से बुरी तरह पीटा। घटना में और धर्मेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां से गंभीर हालत में रामपाल सिंह को मेरठ हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया, लेकिन जिला अस्पताल से मेरठ जाते समय रामपाल सिंह की मौत हो गई। हमले में घायल धर्मेंद्र की हालत नाजुक बनी हुई है। उनका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। परिजनों ने आरोपियों पर कुल्हाड़ी से हमला करने का भी आरोप लगाया है। सीओ सिटी शक्ति सिंह ने बताया कि मामले में जयप्रकाश सिंह की तहरीर पर आरोपी रवि, श्रवण, राहुल, बलवीर और विकास के खिलाफ हत्या की कोशिश व हत्या के आरोप में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जल्दी ही आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

बावनपुरा माफी गांव में बच्चों के विवाद चले। एक पक्ष ने कुल्हाड़ी से हमला कर कर दी। उनके भाई धर्मेंद्र, सोमपाल और हालत नाजुक बनी हुई है। मौके पर पहुंची के पिता और तीन पुत्रों समेत पांच लोगों पुलिस आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास नत्थू सिंह और बालवीर के परिवार रहते घर के बाहर खेल रहे थे। तभी खेल-खेल बच्चों ने आपसी झगड़े की बात घर जाकर पक्ष आमने-सामने आ गए। आरोप है कि लक्ष्मण, राहुल और भटपुरा माफी गांव के मिलकर नाथू सिंह के बेटे जयप्रकाश, हमला कर दिया। धारदार हथियार और जयप्रकाश सिंह, रामपाल सिंह, सोमपाल चारों के सिर में गंभीर चोट आई। सूचना

योगी सरकार का किसानों के पंजीकरण पर जोर, सभी जनपदों में 50% कार्य पूर्ण, हर गांव में लगाया जाएगा शिविर

मुरादाबाद- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में योगी सरकार किसानों के पंजीकरण कार्य पर विशेष जोर दे रही है। प्रदेशभर में किसानों का पंजीकरण तेजी से कराया जा रहा है। अब तक उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में 50 प्रतिशत तक फॉर्मर रजिस्ट्री का कार्य किसान सम्मान निधि की किस्त उन्हीं किसानों को मिलेगी से जल्द प्रदेश भर के किसानों के रजिस्ट्रेशन प जोर दे रही है। आदेश दिया है कि पीएम किसान पोर्टल पर प्रत्येक किसान का प्रतिदिन शिविर लगाए जाएंगे। प्रत्येक गांव में कम से कम एक पंजीकरण और विवरण अपडेट करने की सुविधा दी जाएगी। 50त्न से अधिक कार्य पूर्ण हो चुका है। इनमें कई जिले उल्लेखनीय पूर्ण हो चुका है। केंद्र सरकार ने स्पष्ट किया है कि 1 अप्रैल 2026 से पीएम जिन्होंने पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराया होगा। ऐसे में योगी सरकार जल्द हर जिले में शिविर लगाने के निर्देश योगी सरकार ने सभी जिलाधिकारियों को विवरण अपडेट कराया जाए। इसके लिए 16 अक्टूबर से 30 नवंबर तक शिविर आयोजित करना अनिवार्य होगा। यहां पर किसानों को मौके पर कई जिलों ने 55त्न से अधिक पंजीकरण कार्य पूरा किया प्रदेश में अब तक प्रगति कर चुके है। रामपुर - 61.37त्न बिजनौर - 58.92त्न हरदोई - 58.31त्न श्रावस्ती - 58.01त्न पीलीभीत - 57.58त्न अंबेडकरनगर - 57.46त्न मुरादाबाद - 57.17त्न बरेली - 56.80त्न गाजियाबाद - 56.79त्न कौशाम्बी - 56.09त्न किसानों से की गई अपील- योगी सरकार ने किसानों से अपील की है कि वे समय पर अपना पंजीकरण कराएं ताकि किसी भी किसान को पीएम किसान सम्मान निधि की आगामी किस्त से वंचित न होना पड़े।

व्यापारियों को त्योहारी सीजन से 200 करोड़ रुपये की उम्मीद

मुरादाबाद- त्योहारों के सीजन में खरीदारी तेज है। दो अक्टूबर को दशहरा और 10 अक्टूबर को करवा चौथ है। 21 अक्टूबर को दिवाली है, इसके बाद सहालग शुरू हो जाएंगे। त्योहारों और शादियों की तैयारी के लिए बाजारों में बड़े शहरों से रेडीमेड वेस्टर्न और एथनिक परिधान चलन में है, जिन्हें जा रहा है। इस सीजन में व्यापारी लगभग 200 त्योहारों के साथ शादियों के लिए भी लोग खरीदारी में परिधानों की मांग 40 से 50 फीसदी तक बढ़ गई परिधानों की मांग अधिक है, क्योंकि महिलाएं और महत्व दे रही हैं। वहीं, शादियों के लिए रेयान, सिल्क, के लिए जींस-टीशर्ट के साथ कुर्ता पायजामा, शेरवानी दुकान पर नितिन राज ने बताया कि प्रतिदिन औसतन 20 ग्राहक ही आते हैं। इस वक्त सहालग का काम स्टोन वर्क, जरदोजी, जोधपुरी शेरवानी, सूट की परिधान आने शुरू हो गए हैं। इस समय इंडियन, इंडो मुंबई, दिल्ली, बेंगलुरु, कोलकाता व लुधियाना से मंगवाया करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान लगा रहे हैं। करने पहुंच रहे हैं। सामान्य दिनों की अपेक्षा त्योहारी सीजन है। कपड़ा व्यापारियों का कहना है कि इस बार इंडो वेस्टर्न युवतियां फैशन के साथ आरामदायक कपड़ों को अधिक बनारसी, कश्मीरी सिल्क साड़ी की बहुत मांग है। लड़कों आदि की खरीदारी की जा रही है। टाउन हॉल स्थित एक 40 से अधिक ग्राहक आ रहे हैं। सामान्य दिनों में 15 से मुख्य है। शेरवानी में डबल लेयर, हैंडवर्क, मिरर वर्क, मांग है। कोट में भी कढ़ाई का काम है। शादियों वाले घरों में एक ही रंग के कई-कई सूट खरीदे जा रहे हैं। सूट में प्लेन और चमक अधिक पसंद किए जा रहे हैं। दूल्हे के लिए जोधपुरी बंधेज पगड़ी की ज्यादा बिक्री हो रही है। हम अपना माल खुद तैयार करवाते हैं। मुरादाबाद के अलावा आसपास के जिलों से खरीदारी के लिए ग्राहक आ रहे हैं। दुल्हन का लहंगा 30 हजार रुपये की रेंज में ज्यादा पसंद किया जा रहा है। कश्मीरी एंब्राइडरी शॉल की जा रही पसंद- ताड़ीखाना पर नीरज चावला ने बताया कि बच्चों के लिए कुर्ता-पायजामा और उसमें भी थ्री पीस की अधिक मांग हैं। ग्राहक कोटी वाले कुर्ते, शर्ट के बजाय टी-शर्ट ज्यादा पसंद कर रहे हैं। हल्के रंगों की काफी मांग है। वूलन में ट्वीट जैकेट काफी हैं। महिलाओं में सूट, कोट, कार्डीगन की नई रेंज आई है। महिलाएं पेंट सूट और प्रिंट सूट खरीद रही हैं। शादी-ब्याह के लिए कश्मीरी एंब्राइडरी शॉल पसंद की जा रही हैं। करवाचौथ में साड़ियों की बिक्री अच्छी- व्यापारी अनुज जगनेजा ने बताया कि वैवाहिक सीजन में काम अच्छा होता है। शादी विवाह के लिए अच्छी खरीदारी की जा रही है। बाजार में सहालग वाले ग्राहक ज्यादा हैं। ग्राहकों को फैंसी सामान चाहिए। युवतियां गरारा, इंडो वेर्स्टन, कुर्ती, जींस टॉप पसंद कर रही हैं। मुंबई और कोलकाता से माल मंगवाया गया है। करवाचौथ की वजह से साड़ियों की बिक्री भी अच्छी है। सहालग के लिए साड़ी, सूट, ड्रेस, लहंगा, लांचा की तैयारियां हैं। अब बाजार में पूरी तरह से रौनक है।

संक्षिप्त समाचार

सपा सांसद रुचि वीरा ने बरेली में प्रॉपर्टी सीलिंग पर जताया विरोध

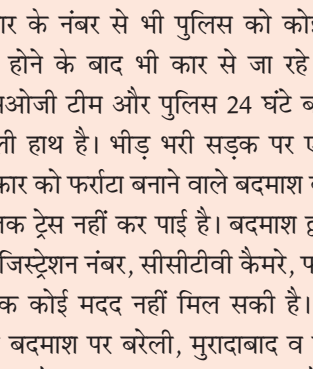

मुरादाबाद- समाजवादी पार्टी की सांसद रुचि वीरा ने बरेली में तौकीर रजा और सहयोगियों की सीलिंग के कड़ा विरोध उन्होंने प्रशासन कार्रवाई को खिलाफ और समुदाय के लोगों की प्रॉपर्टी खिलाफ जताया है। की इस संविधान के विशेष को टारगेट करने वाला बताया है। बोलीं, हिंदुस्तान में रहने वाला कोई भी नागरिक ज्ञापन दे सकता है, विरोध प्रदर्शन कर सकता है और नबी से, अवतार से या भगवान से मोहब्बत कर सकता है। मंगलवार को आवास पर हुई प्रेस वार्ता में कहा कि तौकीर रजा को पहले गिरफ्तार किया गया और अब बिना कोर्ट के आदेश के उनकी संपत्ति नष्ट की जा रही है। मुख्यमंत्री के जो भी प्रदेश में भय फैलाएगा, उसे ठोक दिया जाएगा के बयान पर सवाल उठाते हुए कहा कि आई लव मोहम्मद या आई लव राम कृष्ण कहता है, तो इसमें भय फैलाने वाली क्या बात हो सकती है। बनारस में हॉकी खिलाड़ी मो. शाहिद के मकान पर बुलडोजर की कार्रवाई को दुर्भाग्यपूर्ण बताया।

अमरोहा पुलिस की किरकिरी- सूचना के बाद भी बदमाशों को नहीं कर सके गिरफ्तार, फर्राटा भरते हुए सरेआम भाग निकले

अमरोहा एसओजी और पुलिस सूचना के बाद भी बदमाश को पकड़ने में नाकाम रही। आरोपियों को पकड़ने के लिए जाम लगाकर घेराबंदी भी की गई थी। अब तक सीसीटीवी, फोन लोकेशन और कार के नंबर से भी पुलिस को कोई सुराग नहीं मिला।पूर्व सूचना होने के बाद भी कार से जा रहे बदमाश को घेरने में चूकी एसओजी टीम और पुलिस 24 घंटे बाद मंगलवार रात तक भी खाली हाथ है। भीड़ भरी सड़क पर एसओजी की आंखों के सामने कार को फर्राटा बनाने वाले बदमाश की गिरफ्तारी तो दूर लोकेशन तक ट्रेस नहीं कर पाई है। बदमाश द्वारा इस्तेमाल की गई कार का रजिस्ट्रेशन नंबर, सीसीटीवी कैमरे, फोन लोकेशन आदि से अभी तक कोई मदद नहीं मिल सकी है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उस बदमाश पर बरेली, मुरादाबाद व संभल में 23 मुकदमे दर्ज हैं।शक है कि कार सवार बदमाश और साथ बैठा उसका साथी अमरोहा में किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की साजिश के तहत आ रहा था। सोमवार को मुखबिर से बदमाश के दिल्ली दिशा से आने की जानकारी पर टीम सक्रिय हुई और उसकी कार को फंसाने के लिए मुख्य सड़क पर जाम लगवाया। टीम बदमाश की कार के करीब तक तो पहुंची लेकिन घेराबंदी की टीम की रणनीति पर बदमाश की फुर्ती भारी पड़ी। टीम की आंखों के सामने कम जगह के बीच से भी बदमाश कार निकालकर रफूचक्कर होने में कामयाब हो गया। भागते समय सामान्य लोगों के कुछ वाहनों में टक्कर मारने से भी बदमाश नहीं झिझका। इससे माना जा रहा है कि बदमाश शातिर था और खुद को गिरफ्तारी से बचाने के लिए किसी को कार से रौंदने तक का हौसला बनाए हुए था। बदमाश का नाम बताने से बच रहे- सओजी टीम और पुलिस बदमाश का नाम बताने से बच रही है। इस बात को भी स्पष्ट नहीं कर रही कि भागा बदमाश इनामी था या नहीं। स्थानीय पुलिस अपने बचाव में कह रही है कि एसओजी ने अपने इस आपरेशन को गुप्त रखने के चक्कर में थाना पुलिस को बदमाश के जिले की सीमा में दाखिल होने की जानकारी नहीं दी थी। उठने लगे सवाल, जवाब नहीं - इससे यह सवाल उठ रहा है कि अगर पुलिस का कहना सही है तो एसओजी ने ऐसा क्यों किया। सवाल यह भी उठ रहा है कि बदमाश के भाग जाने के बाद तो यह जानकारी पूरे जिले की पुलिस को हो गई तो इसके बाद उस तक पहुंचने के लिए पुलिस ने क्या प्रयास किए। जिस बदमाश के चकमा देकर भागने का दृश्य गजरौला नगर के तमाम लोगों ने देखा तो उस पर परदा डालने की कोशिश क्यों की जा रही है। फिलहाल इस तरह के किसी भी सवाल का सीधा जवाब सामने नहीं आया है। नगर या नजदीक के किसी कस्बे में भूमिगत तो नहीं हो गया- कार समेत भागे बदमाश का सुराग न लगने से उसके गजरौला- हसनपुर या नजदीक के किसी कस्बे में पहुंचकर भूमिगत होने के कयास लगाए जा रहे हैं। अनुमान जताया जा रहा है कि परिस्थिति के हिसाब से बदमाश ने गजरौला से हसनपुर का रूट पकड़ा होगा।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

बरेली बवाल के दो और उपद्रवियों का पुलिस ने किया हाफ एनकाउंटर

पुलिस की बंदूक लूटने वाले लंगड़ाते दिखे

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमर्शमा / बरेली। बवाल के बाद ऐक्शन जारी है। बुलडोजर और मुठभेड़ के बीच पुलिस की एंटी राइट गन लूट ले जाने वाले दो बदमाशों का हाफ एनकाउंटर हुआ।

सीबीगंज में पुलिस मुठभेड़ के दौरान दोनों बदमाशों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने दोनों के पैर में गोली मारी है,जिससे वे गिर गए। उनके कब्जे से लूटी गईं एंटी राइट गन भी बरामद हो गई है। उन्हें जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इस दौरान दोनों बदमाश लंगड़ाते दिखे। बता दें कि मौलाना तौकीर रजा के बुलावे पर जबरन इस्लामिया ग्राउंड जाने की कोशिश कर रही भीड़ ने 26 सितम्बर को बवाल कर दिया था। इस दौरान करीब दस स्थानों पर पुलिस पर पथराव और फायरिंग किया गया। पुलिस का वायरलेस सेट और एंटी राइट गन लूट की गई। बुधवार को सीबीगंज पुलिस ने यह गन लूटने वाले दोनों बदमाशों को बंडिया नहर के पास मुठभेड़ में गिरफ्तार कर लिया गया। इस दौरान दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी है। पूछताछ में बदमाशों ने अपने नाम शाहजहांपुर में थाना मदनापुर के इस्लामनगर पंखाखेड़ा निवासी इदरीश और इसी थाना क्षेत्र में गढ़ी निवासी इकबाल बताए हैं। गिरफ्तार बदमाश इदरीश और इकबाल शातिर बदमाश हैं। इदरीश के खिलाफ प्रदेश के कई थानों में लूट, डकैती, चोरी और गैंगस्टर समेत 20 मुकदमे दर्ज हैं। इकबाल भी उसका साथी है और उस पर 17 मुकदमे दर्ज हैं। उनके कब्जे से दो तमंचे, कारतूस, खोके, मोबाइल और बाइक भी बरामद हुई है।

पाल अवैध क्लीनिक: मेडिकल स्टोर लाइसेंस पर इलाज और महिलाओं की डिलीवरी स्वास्थ्य विभाग मौन

क्यूँ न लिखूँ सच/ ताज मलिक /अमरोहा /उत्तर प्रदेश थाना ढबारसी सूत्रों के हवाले से मिली बड़ी जानकारी के अनुसार ढबारसी में पाल मेडिकोज के नाम पर खुलेआम मरीजों का इलाज किया जा रहा है, जबकि मेडिकल स्टोर के लाइसेंस पर किसी भी तरह का इलाज करना कानूनन अपराध है। यही नहीं, आरोप है कि इस अवैध तरीके से महिलाओं की डिलीवरी तक कराई जा रही है। फार्मेसी एक्ट 1948 और 1940 के तहत मेडिकल स्टोर की अनुमति है। इंडियन मेडिकल 15 साफ कहती है कि बिना व्यक्ति इलाज नहीं कर सकता। इस्टैब्लिशमेंट्स एक्ट 2010 के अस्पताल, क्लीनिक या

मेडिकोज के बराबर में ही ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स एक्ट को केवल दवाइयों की बिक्री काउंसिल एक्ट 1956 की धारा रजिस्टर्ड डॉक्टर के कोई भी वहीं क्लीनिकल अनुसार बिना पंजीकरण डिलीवरी सेंटर चलाना पूरी तरह अवैध है। ऐसे मामलों में आईपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी), धारा 304ए (लापरवाही से मौत होने पर जिम्मेदारी) और धारा 336 (मानव जीवन को खतरे में डालना) भी सीधे तौर पर लागू होती हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि पाल मेडिकोज के पास दवाइयां बेचने का लाइसेंस जरूर है, लेकिन उसके नाम पर इलाज और यहां तक कि महिलाओं की डिलीवरी तक कराना सीधे तौर पर जनता की जान से खिलवाड़ है। यह व्यवस्था न केवल गैरकानूनी है बल्कि हर मरीज की जिंदगी के लिए खतरा भी है। स्वास्थ्य विभाग और ड्रग इंस्पेक्टर की जिम्मेदारी बनती है कि तुरंत मौके पर पहुंचकर कार्रवाई करें। संबंधित मेडिकल स्टोर का लाइसेंस रद्द किया जाए, जुर्माना और जेल की कार्रवाई हो और यदि इलाज के दौरान किसी मरीज को नुकसान पहुंचा है तो मुआवजा और कठोर दंड सुनिश्चित किया जाए। यह सिर्फ पाल मेडिकोज की बात नहीं है, बल्कि जिले में कई मेडिकल स्टोर लाइसेंस की आड़ में गैरकानूनी अस्पताल और क्लीनिक चला रहे हैं। अगर प्रशासन अब भी आंखें मूंदे बैठा रहा तो यह लाइसेंस टू किल जैसी स्थिति बन जाएगी। इस मामले में जब मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) अमरोहा डॉ. सत्यपाल सिंह से बात की गई तो उन्होंने कहा- ऐसे किसी भी मेडिकल स्टोर या मेडिकोज को मरीजों का इलाज करने या डिलीवरी कराने का अधिकार नहीं है। अगर पाल मेडिकोज या किसी अन्य जगह पर इस तरह की गतिविधियां हो रही हैं तो यह पूरी तरह अवैध है। मामले की जांच कराई जाएगी और दोषी पाए जाने पर लाइसेंस रद्द करने से लेकर कानूनी कार्रवाई तक की जाएगी। जनता की जान से खिलवाड़ किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

पुलिस ने जारी किया बरेली बवाल का ड्रोन वीडियो, सड़क पर बेकाबू दिखी भीड़

बरेली पुलिस ने बुधवार को बवाल से संबंधित ड्रोन वीडियो जारी किए हैं। ये वीडियो 26 सितंबर के है। इसी दिन बिहारीपुर इलाके में नमाज के बाद खलील तिराहे के पास सड़क पर भीड़ जुटी

थी।बरेली में 26 सितंबर को हुए बवाल के बाद से अब तक 75 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। इस बीच पुलिस ने बुधवार को बवाल से संबंधित ड्रोन वीडियो जारी किए हैं। पुलिस के मुताबिक ये वीडियो उस वक्त हैं, जब बिहारीपुर इलाके में नमाज के बाद खलील तिराहे के पास सड़क पर भीड़ जुटी थी। बेकाबू भीड़ को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। जब लोग नहीं माने तो पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा था। ड्रोन वीडियो में बेकाबू भीड़ को पुलिस रोकने का प्रयास करती दिख रही है। इसके बाद लाठीचार्ज हुआ। 26 सितंबर को क्या हुआ था? आई लव मोहम्मद के समर्थन में इत्तेहाद-ए-मिल्लत कौंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां के बुलावे पर भीड़ जुटी थी। मौलाना के नदारद रहने से भीड़ अराजक हो गई। पुलिस का दावा है कि लोगों ने दुकानों और वाहनों में तोड़फोड़ की थी। बेकाबू भीड़ पर काबू पाने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा था। आंसू गैस के गोले दागे गए थे। पुलिस के मुताबिक बवाल में 22 पुलिसकर्मी घायल हुए थे। अलग-अलग थानों में 10 मुकदमे बवाल के बाद पुलिस ने शहर के अलग-अलग थानों में 10 मुकदमे दर्ज किए हैं। इनमें 125 लोग नामजद और करीब तीन हजार अज्ञात आरोपी हैं। सात मुकदमों में मौलाना तौकीर रजा का नाम है। बवाल की जांच के लिए डीआईजी रेंज अजय कुमार साहनी के निर्देश पर एसएसपी अनुराग आर्य ने विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। एसआईटी में एसपी सिटी मानुष पारीक के नेतृत्व में तीन सीओ और 14 इंस्पेक्टर शामिल हैं। अब तक 75 आरोपी गिरफ्तार बवाल के बाद से अब तक 75 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। मौलाना तौकीर रजा समेत आठ आरोपियों को दूसरे दिन ही गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके बाद डॉ. नफीस और नदीम खान समेत अन्य लोगों की गिरफ्तारी हुई। पुलिस ने बुधवार को दो और आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। मुठभेड़ में पकड़े गए दोनों आरोपियों को पैर में गोली लगी है। दोनों शाहजहांपुर के मदनापुर थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं। पुलिस के मुताबिक नदीम ने दोनों को बुलाया था। दोनों बवाल में शामिल रहे थे।

कालीबाड़ी में बिकता है हर साइज का रावण, दो फुट से 30 फुट के पुतलों के लिए बोली भी लगती है

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमर्शमा / बरेली। कालीबाड़ी, डीडीपुरम और बिहारीपुर कसगरान में दशहरा पर पुतले वालों का बाजार सज जाता है। आस-पास के जिलों के साथ-साथ उत्तराखंड तक यहां से पुतले जाते हैं। एक वाली गली' रख दिया है। जमीन-जायदाद की बोली लेकिन बरेली में एक जहां बोली रावण के साल दशहरा पर बरेली के डीडीपुरम और बिहारीपुर वाली गली' में सैकड़ों

मार्केट का नाम ही 'रावण सब्जी, अनाज, गाड़ी या लगते आपने सुनी होगी, अनोखी मंडी लगती है, पुतलों पर लगती है। हर तीन इलाके कालीबाड़ी, कसगरान की 'रावण पुतले सजते हैं। यहां 20 रुपये से लेकर 15 हजार रुपये तक के रावण बिकते हैं, जिनकी ऊंचाई डेढ़ फुट से लेकर 30 फुट तक होती है। इस मंडी से पुतला खरीदने केवल बरेली वाले ही नहीं आते, बल्कि उत्तराखंड, पीलीभीत, बदायूं और दूसरे जिलों के लोग भी पहुंचते हैं। कारीगरों का अनुमान है कि इस बार रावण के पुतलों का कारोबार लाखों रुपये तक पहुंच सकता है। बिहारीपुर कसगरान का मोहल्ला 'रावण वाली गली' नाम से मशहूर है। कभी इस गली में इतनी तादाद में पुतले बनाए जाते थे कि पैदल निकलना मुश्किल हो जाता था। उस समय दूर-दराज से लोग रावण, कुंभकर्ण और मेघनाथ के पुतले खरीदने आते थे। अब पहले की तरह मांग नहीं रही, लेकिन परंपरा जारी है। कालीबाड़ी निवासी बाबू कहते हैं कि उनकी पत्नी रावण के पुतले बनाती हैं और वह बेचने का काम संभालते हैं। इलाके के कई राजपूत परिवार की महिलाएं पुतले बनाने में जुटी रहती हैं। पुतले बनाने के बाद उन्हें बिक्री के लिए मेन रोड पर सजाकर रखा जाता है।

बरेली बवाल के मास्टरमाइंड डॉ. नफीस और उसके बेटे गिरफ्तार को पुलिस ने जेल भेजा

अब तक हुए 81 आरोपी गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमर्शमा / बरेली। बवाल के मामले में आरोपी डॉ. नफीस खां और उसके बेटे फरमान समेत आठ और आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। बरेली एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया आठ आरोपियों को इनमें दो आरोपी मुठभेड़ दोनों शाहजहांपुर जनपद के बाद से अब तक कुल किए जा चुके हैं। फुटेज पर आरोपियों को चिह्नित पुलिस का फोकस उन

कि बुधवार को कुल गिरफ्तार किया गया है। में पकड़े गए हैं। यह के रहने वाले हैं। बवाल 81 आरोपी गिरफ्तार और वीडियो के आधार किया जा रहा है। लोगों पर है, जिन्होंने भीड़ को जुटाने और उकसाने की कोशिश की थी। एसएसपी के मुताबिक जांच में यह बात भी सामने आई है कि 26 सितंबर के दिन शुक्रवार को नमाज का वक्त बदला गया था। मौलाना तौकीर का वीडियो जारी होने के बाद यह मैसेज फैलाया गया था कि जुमे की नमाज एक बजे होगी। आमतौर पर यहां साढ़े 12 बजे से पौने चार बजे के नमाज होती है। इससे यह स्पष्ट है कि साजिश के तहत नमाज का वक्त बदला गया ताकि ज्यादा से ज्यादा भीड़ इस्लामिया मैदान की तरफ पहुंचे। अब तक जो जेल भेजे गए हैं, उनमें तीन आरोपी दूसरे प्रदेशों के हैं। इनके बारे में भी पुलिस जानकारी जुटा रही है। एसएसपी ने बताया कि जिले में धारा 163 लागू है, जिसका पूरी तरह पालन कराया जाएगा। गिरफ्तार अभियुक्तों में डा0 नफीस खाँ पुत्र अब्दुल वहीद खाँ निवासी मोहल्ला कंघी टोला थाना किला बरेली, फरहान खाँ पुत्र नफीस खाँ आदि को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इनके पास से एक अदद काला बैग जिसमें एक अदद लैपटाप, एक अदद मोबाइल बरामद किया है। एसएसपी ने बताया कि इनकी भूमिका डॉ नफीस द्वारा अभियुक्त नदीम के साथ मिलकर षड्यन्त्र के तहत एक दिवस पूर्व कॉल वापस करने का पत्र जारी कर पुनः उसका खण्डन कर प्रशासन को गुमराह करते हुए इस्लामिया ग्राउण्ड पर जमा होने हेतु विधि विरूद्ध भीड एकत्रित की गयी। इसके अलावा मुख्य भूमिका में अभियुक्त फरहान जो कि डा0 नफीस का पुत्र है उसके द्वारा ट्रस्ट की फेसबुक व अन्य सोशल मीडिया पेज जारी किया। जिसमे बीते शुक्रवार को इस्लामियाँ ग्राउण्ड पर सैलाब की तरह एकत्रित होने तथा लोगो का जमावड़ा करने हेतु लगातार अपील की गयी।

आदमपुर में झोलाछाप का आतंक: बिना रजिस्ट्रेशन और डिग्री के चल रहा क्लीनिक, मरीजों की जिंदगी खतरे में

क्यूँ न लिखूँ सच/ ताज मलिक / अमरोहा जनपद के आदमपुर क्षेत्र में अरुण हेल्थ क्लीनिक नाम से अवैध क्लीनिक खुलेआम अनुसार इस क्लीनिक का न पंजीकरण है और न ही डिग्री। इसके बावजूद मरीजों वितरण धड़ल्ले से किया जा आरोप है कि यहां बैठे देकर मरीजों की जिंदगी से और अनजान मरीज इलाज के इलाज का शिकार हो रहे हैं। अधिनियम 1956 की धारा

संचालित हो रहा है।सूत्रों के तो स्वास्थ्य विभाग में कोई संचालक के पास मेडिकल का इलाज और दवाओं का रहा है।स्था नीय लोगों का झोलाछाप डॉक्टर गलत दवाइयाँ खिलवाड़ कर रहे हैं। गरीब नाम पर ठगी और जानलेवा भारतीय चिकित्सा परिषद 15(2)(ड्) के तहत बिना पंजीकरण कोई भी व्यक्ति आधुनिक चिकित्सा पद्धति का अभ्यास नहीं कर सकता। इस कानून का सीधा उल्लंघन हो रहा है। इसके अलावा ऐसे फर्जी डॉक्टरों पर आईपीसी की धारा 420 (धोखाधड़ी), 304 (लापरवाही से मृत्यु), 269/270 (जीवित मानव जीवन को संकट में डालना) भी लागू होती हैं। सवाल यह है कि जब प्रदेश सरकार और स्वास्थ्य विभाग झोलाछापों पर कार्रवाई के दावे करते हैं, तो आदमपुर में अरुण हेल्थ क्लीनिक जैसे फर्जी केंद्र खुलेआम कैसे चल रहे हैं? क्या यह स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही है या फिर मिलीभगत? स्थानीय जनता ने प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग से तुरंत सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि किसी निर्दोष मरीज की जान न जाए और झोलाछापों का आतंक खत्म हो। सीएमओ अमरोहा डॉ. सत्यपाल सिंह ने कहा कि झोलाछाप डॉक्टर और बिना पंजीकरण के चल रहे क्लीनिकों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है। शिकायत मिलते ही जांच टीम भेजी जाएगी और दोषी पाए जाने पर तुरंत कानूनी कार्रवाई होगी।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए

9027776991

knlslive@gmail.com

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

मौलाना शहाबुद्दीन का आह्वान...मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के भारत बंद को बना दें नाकाम

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमर्शमा / बरेली। अपने बयानो के लिए चर्चित शहाबुद्दीन बार फिर पर्सनल लॉ मुखालफत में मुस्लिम

मौलाना रजवी एक मुस्लिम बोर्ड की उतर आए हैं। पर्सनल लॉ बोर्ड के भारत बंद पर मौलाना शहाबुद्दीन रजवी बरेलवी ने बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि आल इंडिया मुस्लिम पर्सनला बोर्ड ने तीन तारीख को जुमे के दिन भारत बंद का ऐलान किया है। मुसलमान इस ऐलान को नाकाम बना दें। मौलाना ने आगे कहा कि इस ऐलान में जुलूस धरना व प्रदर्शन का भी प्रोग्राम है। आई लव मोहम्मद के पोस्टर और बैनर भी लगाए जाएंगे। ये तमाम चिजें सियासी मकसद को हासिल करने के लिए किए जा रहे हैं। लिहाजा मुसलमान रोजाना की तरह अपनी दिनचर्या जारी रखें, भारत बंद में शरीक न होकर नाकाम बना दें।

मिशन शक्ति फेज-5 के अन्तर्गत पुलिस अधीक्षक अमरोहा द्वारा थाना नौगावां सादात परिसर में स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र का निरीक्षण

क्यूँ न लिखूँ सच/ ताज मलिक / अमरोहा /उत्तर प्रदेश पुलिस अधीक्षक अमित कुमार आनंद द्वारा आज दिनांक 01.10.2025 को थाना नौगावां सादात परिसर में स्थापित मिशन शक्ति केन्द्र का निरीक्षण किया गया

एवं मिशन शक्ति फेज-5 अभियान के अन्तर्गत केन्द्र पर उपलब्ध सुविधाओं, रजिस्टरों एवं शिकायत निस्तारण की प्रक्रिया का गहन परीक्षण किया गया तथा यह सुनिश्चित किया गया कि किसी भी महिला/बालिका द्वारा प्राप्त शिकायत का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण किया जाए। महोदय द्वारा मिशन शक्ति केन्द्र पर कार्य कर रहे अधिकारी/कर्मचारीगणों को निर्देशित किया कि मिशन शक्ति केन्द्रों को पूरी तरह सक्रिय रखा जाए। आने वाली प्रत्येक शिकायत का समयबद्ध और संवेदनशीलता के साथ निस्तारण किया जाए। महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए स्कूलों, कॉलेजों एवं बाजार क्षेत्रों में नियमित गश्त की जाए। महिलाओं की सुरक्षा हेतु हेल्पलाइन नंबर -महिला हेल्पलाइन - 1090,आपातकालीन सेवा - 112,बाल हेल्पलाइन -1098 के प्रति जागरूक किया जाये

जिला अमरोहा में बच्चों के खेल से शुरू हुआ विवाद खूनी संघर्ष में बदला, कुल्हाड़ी से हमले में एक की मौत, तीन गंभीर

क्यूँ न लिखूँ सच/ ताज मलिक / अमरोहा। जनपद के बांबनपुरी माफी गांव में बच्चों के खेल से शुरू हुआ मामूली विवाद देखते-देखते खूनखराबे में बदल गया। घटना में कुल्हाड़ी से हुए हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। जानकारी के मोहल्ले में दो तीन साल के खेल रहे थे। इसी एक बच्ची की दूसरे बच्चे पर हरकत करने का लगाया। आरोप हंगामा खड़ा हो हालांकि ग्रामीणों बीचबचाव कर शांत करा दिया।

अनुसार तीन-बच्चे दौरान मां ने गंदी आरोप लगते ही गया, ने मामला इसके बावजूद बच्ची के परिजन थाने पहुंचे और तहरीर दी। इसके बाद बच्ची के पिता राहुल और मां आरती ने बच्चे के घर पर चढ़ाई कर दी और परिवारवालों पर कुल्हाड़ी से हमला कर दिया। इस हमले में बच्चे के ताऊ रामपाल, सोमपाल, जयप्रकाश और धर्मेंद्र गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान रामपा ल की मौत हो गई, जबकि बाकी तीनों की हालत नाजुक बनी हुई है।मृतक का शव जैसे ही गांव पहुंचा, तो परिजन और ग्रामीण गुस्से में आ गए। इस दौरान पुलिस और मृतक के परिवार वालों के बीच जमकर नोकझोंक भी हुई। -- क्या आप चाहेंगे कि मैं इसके लिए 2-3 अलग-अलग तेज़ और आकर्षक हेडलाइन भी बना दूँ ताकि अखबार में और प्रभावशाली लगे?फिलहाल शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मृतक के परिजन थाने में कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

जेल से निकलने के बाद भी कम नहीं होंगी पूर्व विधायक इरफान सोलंकी की मुश्किलें, पुलिस की बड़ी चूक आई सामने

कानपुर सीसामऊ सीट से सपा के पूर्व विधायक इरफान सोलंकी जेल से रिहा जरूर हो गए हैं

लेकिन उनकी मुश्किलें कम होती नहीं दिख रहीं। कानपुर की सीसामऊ सीट से पूर्व विधायक इरफान सोलंकी को जमानत मिलने के बाद भी उनकी मुश्किलें कम नहीं हुई हैं। इरफान के खिलाफ जांच कर रहा प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) अगले सप्ताह उनके खिलाफ अदालत में आरोप पत्र दाखिल करने की तैयारी में है, जिसके बाद इरफान पर कानूनी शिकंजा और मजबूत होगा। वहीं दूसरी ओर इरफान और उनके करीबी परिजनों की संपत्तियों की ईडी जांच में फिलहाल अड़चन पैदा हो गई है। ईडी उनकी संपत्तियों पर कार्रवाई के लिए दूसरे तरीके आजमाने की तैयारी में है। सूत्रों की मानें तो इरफान सोलंकी के खिलाफ पुलिस द्वारा दर्ज मुकदमों के आधार पर ईडी ने भी प्रिवेंशन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी और इरफान व उनके करीबियों के ठिकानों पर छापे मारकर अहम सुबूत जुटाए थे। ईडी ने इरफान की कानपुर और मुंबई की कई संपत्तियों का भी पता लगाया था। हालांकि संपत्तियों की जांच में पुलिस द्वारा दर्ज मुकदमों में हुई चूक की वजह से कार्रवाई नहीं हो सकी। दरअसल, पुलिस ने इरफान के खिलाफ दर्ज मुकदमों में ऐसी कोई धारा नहीं लगाई, जिसके तहत मनी लांड्रिंग एक्ट की कार्रवाई की जा सके। अब ईडी इरफान के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले की जांच कर संपत्तियों को जब्त करने की तैयारी में है। खासकर कानपुर के जिस बिल्डर के साथ उन्होंने बेशकीमती जमीनें खरीदी थीं, उसे बेनामी एक्ट के तहत जब्त किया जाएगा। इसके लिए ईडी के अधिकारी इरफान द्वारा चुनावों में घोषित संपत्तियों के साथ उनके आयकर विवरण की भी गहनता से पड़ताल कर रहे हैं।

टीईटी अनिवार्यता को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक और पुनर्विचार याचिका दाखिल, दो लाख शिक्षक हो रहे प्रभावित

प्राइमरी स्कूलों में टीईटी अनिवार्यता को लेकर सुप्रीम कोर्ट के फैसले के खिलाफ यूपी से एक और याचिका दाखिल कर दी गई है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा प्राथमिक विद्यालयों के शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्य किए जाने के बाद देश और प्रदेश से एक के बाद एक पुनर्विचार याचिका दाखिल की जा रही है।

इसी क्रम में आल इंडिया प्राइमरी टीचर फेडरेशन की ओर से भी याचिका दाखिल की गई है। प्रदेश में लगभग 1.86 लाख शिक्षक सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से प्रभावित हो रहे हैं। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुशील कुमार पांडेय ने बताया कि शिक्षक पात्रता अनिवार्य किए जाने के आदेश को निरस्त कराने के लिए पुनर्विचार याचिका दाखिल की गई है। उन्होंने कहा कि इस मामले में केंद्र सरकार और शिक्षा मंत्रालय की ओर से आवश्यक पहल की जानी चाहिए। ताकि देश भर के लाखों शिक्षकों का हित सुरक्षित हो सके।इस अवसर पर संगठन के नरेश कौशिक, डॉ. अनुज त्यागी, वीरेंद्र प्रताप सिंह, विनोद नागर, रविंद्र राणा, प्रवीन कुमार, वीरपाल सिंह, विनोद त्यागी, जितेंद्र नैन आदि पदाधिकारी उपस्थित थे। बता दें कि इस मामले में अब तक देश-प्रदेश से आधा दर्जन से अधिक पुनर्विचार याचिका दाखिल की जा चुकी है। जबकि सबसे पहले प्रदेश सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल की थी।

छह मौतों से दहला यूपी का यह जिला, किशोरों के साथ बच्चियों की भी की हत्या; गांव में पीएएसी तैनात

यूपी के बहराइच जिले में दिल दहलाने वाले घटना घटी। यहां छह लोगों की मौत हो गई। जिसमें चार एक ही परिवार के हैं। बहराइच जिले के निंदुरपुरवा टेपरहा गांव में बुधवार सुबह एक ग्रामीण ने दो किशोर को खेत में लहसुन की बोवाई के लिए बुलवाया, सभी ने लहसुन की बोवाई से इन्कार किया तो गंड़ासे से उनकी हत्या कर दी। इसके बाद खुद को परिवार सहित कमरे में बंद कर आग के हवाले कर दिया। फायर ब्रिगेड और पुलिस ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। इस अग्निकांड में दंपती व दो बेटियों समेत चार लोग जिंदा जल गए। चार मवेशियों की भी झुलसकर मौत हुई है। गांव निवासी विजय कुमार खेती बाड़ी और पशुपालन का काम करता था। बुधवार सुबह खेत में लहसुन की बोवाई के लिए विजय ने गांव निवासी सूरज यादव (14) पुत्र लच्छी राम, सनी वर्मा (13) पुत्र ओमप्रकाश और किशन यादव (15) को घर बुलवाया। सूरज और सनी ने नवरात्र का अंतिम दिन होने के चलते घर पर काम अधिक होने की बात कह कर खेत में काम करने से इन्कार कर दिया। नोंकझोंक के बीच विजय ने किशन को लकड़ी काटने के लिए घर से बाहर भेज दिया।इसके बाद सूरज और सनी की बात से गुस्साए विजय ने अपने घर के आंगन में गड़ासे से दोनों की हत्या कर दी। रियांशी (6) तथा मवेशियों सहित खुद को कमरे के अंदर बंद कर घर में आग लगा ली।

जगपतिधाम मंदिर में भक्तों की पूरी होती मनोकामना

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती भारत नेपाल सीमा पर स्थित प्राचीन कास प्रसिद्ध मंदिर जो भक्तों की मनोकामना पूर्ण करने वाली स्थान विकास खण्ड हरिहरपुर रानी अंतर्गत थाना मल्हीपुर क्षेत्र के लक्ष्मनपुर कोठी जगपतिधाम मंदिर की स्थापना पटनेश्वरी प्रसाद ने अपनी रियासत की स्थापना करवाया था। तबसे

स्थित राप्ती बैराज समीप राजा बलरामपुर राजा जमाने में जगपतिधाम मंदिर माता जी के स्थान पर भारत व नेपाल के भक्तगण मंदिर पर पूजा अर्चना करने आते है। मान्यता है कि मंदिर पर आने वाले भक्तों का मनोकामना व आस्था माता जी पूरी करती है। काठमांडू राज्य नेपाल के वानेश्वर नामक ग्राम रहने वाले स्व, पहाड़ी बाबा स्वामी दयाल का जन्म 20 मार्च सन 1805 हुआ था। पिता भगत बहादुर सिंह व माता का नाम ईश्वरीय था महराज जी जीवन काल बचपन से ही तपस्या व सन्यास मे ही व्यतीत हुआ महराज जी लगभग एक शताब्दी अन्य भोजन के बिना रहे। दिनांक 7 फरवरी 2011 दिन सोमवार को इनकी मृत्यु हो गई। और एक घन्टे बाद में बाबा के गौ माता को मृत्यु हो गयी। राम गोपाल बाबा के सेवक ने बताया कि 1979 में राप्ती नदी बैराज पर पुल के निर्माण के लिए नदी में गोला डाला जा रहा था किन्तु वह एकपानी के बहाव में बह जाता है। ठेकेदार परेशान हो उठा तो किसी नै जगपतिधाम मंदिर के श्री श्री 108 महंत बाबा पहाड़ी स्वामी दयाल गिरी जी महाराज आस्था का केंद्र जगपति नाथ मंदिर। के शरण में पहुंचे और नदी में पुल निर्माण पर गोला बनाने का काम नहीं हो पा रहा है। बाबा ने ठेकेदार से कहा कि मां के शरण में जाकर उनका आशीर्वाद लेकर मंदिर का जीर्णोद्धार करादो तो पुल बन जायेगा। ठेकेदार विनय कुमार चतुर्वेदी जनपद देवरिया ने मंदिर का जीर्णोद्धार कराना शुरू कर दिया तब राप्ती नदी पर पुल का निर्माण कार्य सुचारू रूप से हो गया। पहाडी बाबा स्वामी दयाल गिरी जी की मृत्यु 206 वर्ष की आयु पूरी करके अंतिम सांस ली उसी समय बाबा द्वारा पाली गयी गाय बाबा के मृत्यु के एक घंटे बाद गाय की भी मृत्यु हो गईश्तव उनके सेवक रामगोपाल मौर्या की बेटी रीता गिरी बाल्य अवस्था में काया की उत्तरा अधिकारी बनकर मंदिर पर पूजा पाठ कर रही है। तथा प्राचीन मंदिर जगपतिधाम पर भारत व नेपाल के दूरदराज से अपनी मनोकामना लेकर मां के मंदिर पर आते हैं तथा माता उनकी मनोकामना पूर्ण करती है। ज्ञातव्य हो कि क्षेत्र के भक्तों द्वारा मंदिर क्क सुचारू रूप से रास्ता न होने के कारण जो रास्ता मंदिर तक जाता है वह ककरदरी जंगल की भूमि पड़ने के कारण नहीं बन पाया है। क्षेत्र वासियों ने मख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी व श्रावस्ती जिला अधिकारी से मांग किया है कि जंगल विभाग द्वारा मंदिर तक रास्ता बनवाया जाय। जिससे मंदिर तक आने जाने में भक्तों को मां के दर्शन में असुविधा उत्पच न हो पाए। प्राचीन मंदिर होने के कारण सुंदरीकरण कराकर मंदिर का सुंदरीकरण कराया जाय।

ग्राम पंचायत खोहीर के भून्डा गांव में पहली बार दुर्गा पूजा

क्यूँ न लिखूँ सच/ सामूहिक आस्था और भक्ति से गूंजा पहाड़ी अंचल, चेरवा जनजाति बहुल गांव में आजादी के बाद पहली बार मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित सूरजपुर जिले के ओडगी विकासखण्ड के चांदनी बिहरपुर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत खोहीर का आश्रित गांव भून्डा इस बार नवरात्रि पर भक्ति और उत्साह

से सराबोर है। दुर्गम पहाड़ी अंचल में बसे इस गांव में आजादी के बाद पहली बार ग्रामीणों ने सामूहिक रूप से मां दुर्गा की प्रतिमा स्थापित की है। भून्डा गांव, जहां लगभग 99 प्रतिशत चेरवा जनजाति की आबादी निवास करती है और जो कोरिया जिले की सीमा से सटा हुआ है, अब नवरात्रि के इस आयोजन से सुर्खियों में आ गया है। विधिविधान से हुई स्थापना- ग्रामीणों ने बताया कि प्रतिमा स्थापना के दिन विधिविधान से पंडित को बुलाकर प्राण-प्रतिष्ठा की गई। इसके बाद से प्रतिदिन ग्रामीण स्वयं पूजा-पाठ, भजन-कीर्तन और आरती कर रहे हैं। ग्रामीणों ने कहा कि विसर्जन के अवसर पर पुनः पंडित को बुलाकर परंपरागत तरीके से मां दुर्गा की विदाई की जाएगी। महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी- पूरे गांव में आयोजन को लेकर खासा उत्साह है। महिलाएं सजावट और प्रसाद की तैयारी में जुटी हुई हैं, वहीं युवा वर्ग व्यवस्था संभाल रहा है। बच्चे भी रंगोली और डेकोरेशन कर इस उत्सव को और उल्लासमय बना रहे हैं। आस्था और एकजुटता का प्रतीक- ग्रामीणों का कहना है कि यह पहला अवसर है जब गांव में दुर्गा पूजा का आयोजन हो रहा है। एक ग्रामीण ने भावुक होकर कहा - आज तक हमारे गांव में कभी दुर्गा पूजा नहीं हुई थी। यह पहली बार है जब हम सब मिलकर मां की प्रतिमा स्थापित कर रहे हैं। हमें गर्व है कि हमारी आने वाली पीढ़ियां भी इस परंपरा को आगे बढ़ाएंगी। सरपंच तेजबली चेरवा का बयान ग्राम पंचायत खोहीर की सरपंच श्रीमती तेजबली चेरवा ने कहा - भून्डा गांव जैसे सीमावर्ती और दुर्गम इलाके में दुर्गा पूजा का यह पहला आयोजन न केवल धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक एकता और सांस्कृतिक पहचान का भी प्रतीक है। पंचायत स्तर पर हम हरसंभव सहयोग करेंगे, ताकि आने वाले वर्षों में भी ऐसे आयोजन निरंतर होते रहें। क्षेत्र में चर्चा का विषय भून्डा गांव का यह आयोजन अब आसपास के गांवों में भी चर्चा का विषय बन गया है। सीमावर्ती और दुर्गम इलाका होने के बावजूद ग्रामीणों की आस्था और सामूहिक प्रयास ने इस दुर्गा पूजा को विशेष बना दिया है।

कलेक्टर श्री रविन्द्र कुमार चौधरी के मार्गदर्शन में शिवपुरी में शिक्षा विभाग की समन्वय बैठक आयोजित, शत-प्रतिशत नामांकन और बेहतर परीक्षा परिणाम पर जोर

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे) शिवपुरी। जिले में शिक्षा की गुणवत्ता सुधार और सभी विद्यालयों में शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज कलेक्टर निवास पर शिक्षा विभाग की समन्वय बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर रवीन्द्र कुमार चौधरी के मार्गदर्शन में हुई

इस बैठक में शिक्षकों एवं अधिकारियों के साथ गहन चर्चा कर शिक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए ठोस रणनीति पर विचार किया गया। बैठक में उन विद्यालयों की सराहना की गई जिन्होंने शैक्षणिक सत्र 2025-26 में शत-प्रतिशत नामांकन पूर्ण किया है। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि विद्यार्थियों की नियमित उपस्थिति सुनिश्चित की जाए और उन्हें गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराई जाए। प्राथमिक विद्यालयों में चल रही स्नस्न्न पद्धति तथा प्री-प्राइमरी कक्षाओं में श्वष्टष्टश्व पद्धति पर भी विस्तृत चर्चा हुई। कलेक्टर चौधरी ने विद्यालय संचालन में आ रही कठिनाइयों की जानकारी शिक्षकों से व्यक्तिगत रूप से लेकर जिला शिक्षा अधिकारी एवं डीपीसी को तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। हाजीखेड़ी और घुटारी जैसे विद्यालयों की समस्याओं पर मौके पर ही अधिकारियों को फोन कर समाधान के लिए कहा गया। कम नामांकन वाले विद्यालयों के प्राचार्यों को विशेष रूप से शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि विगत वर्षों में हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी परीक्षा में नकल रोकने के सफल प्रयासों से परिणाम बेहतर हुए हैं, अब इन्हें और अधिक सुदृढ़ करने की आवश्यकता है। सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षकों के पद तुरंत रिक्त घोषित कर अतिथि शिक्षकों की शीघ्र नियुक्ति के निर्देश भी दिए गए। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि उत्कृष्ट विद्यालय प्रबंधन एवं उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम देने वाले शिक्षकों और विद्यालयों को सम्मानित किया जाएगा। कलेक्टर ने जिला शिक्षा अधिकारी विवेक श्रीवास्तव और डीपीसी दफेदार सिंह सिकरवार को शीघ्र ही सम्मान समारोह आयोजित करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर एपीसी मुकेश पाठक, उत्कृष्ट विद्यालय शिवपुरी से दुर्गेश चौबे, हाई स्कूल पचावली प्राचार्य प्रदीप अवस्थी, प्राथमिक विद्यालय घुटारी से राजेश चौबे, प्रा. वि. हाजीखेड़ी से श्रीमती अंशु शर्मा, प्रा. वि. महलसराय से श्रीमती कमलेश खरे, पीएमश्री विद्यालय घोसीपुरा से श्रीमती शीला मंडेलिया, माध्यमिक विद्यालय डोंगरी से मंगल सिंह धाकड़, प्राथमिक विद्यालय मुडेरी से विजय पाराशर, प्राथमिक विद्यालय हातोद से कृष्ण कुमार भार्गव, तथा प्राथमिक विद्यालय दर्रोनी से श्रीमती अंजना दंडोतिया सहित शिक्षा विभाग के अधिकारी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

दशहरा-दीपावली पर योगी सरकार का तोहफा, यूपीएसआरटीसी की AC बसों में 10त्न तक कम होगा किराया

निगम की सकल आय पर असर न पड़े। इसके लिए बसों पर तैनात चालक-परिचालकों को प्रेरित कर अधिक यात्रियों को आकर्षित करने के लिए विशेष काउंसिलिंग की जाएगी।उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने प्रदेशवासियों को दशहरा और दीपावली पर तोहफा दिया है। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम (UPSRTC) ने वातानुकूलित बसों के किराए में की गई लगभग 10त्न की कमी को अग्रिम आदेशों तक जारी रखा है। यात्रीओं को मिलेगी सुविधा - परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया, योगी सरकार जनता को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इस निर्णय से यात्रियों को कम किराए में आरामदायक सफर की सुविधा मिलेगी। यह छूट जनरथ, पिंक, शताब्दी, वोल्वो, वातानुकूलित शयनयान जैसी सेवाओं पर लागू होगी। हालांकि, 01 जनवरी 2024 के बाद पंजीकृत नई वातानुकूलित बसों पर यह छूट लागू नहीं होगी।निगम की आय और सेवाओं पर ध्यान परिवहन मंत्री ने निर्देश दिए कि निगम की सकल आय पर असर न पड़े। इसके लिए बसों पर तैनात चालक-परिचालकों को प्रेरित कर अधिक यात्रियों को आकर्षित करने के लिए विशेष काउंसिलिंग की जाएगी। किराया संरचना (वातानुकूलित बस सेवाएं) 3*2 बस सेवा - ?1.45 प्रति किलोमीटर 2*2 बस सेवा - ?1.60 प्रति किलोमीटर हाई एंड (वोल्वो) बसें - ?2.30 प्रति किलोमीटर वातानुकूलित शयनयान - ?2.10 प्रति किलोमीटर

सीने पर आई लव मोहम्मद लिखकर किया प्रदर्शन, रील बनाकर की वायरल, सभासद की शिकायत पर गिरफ्तार

दिलशाद ने प्रदर्शन किया तो सभासद निशिकांत संगल ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करा दी। इसके बाद पुलिस ने धार्मिक आस्था को

ठेस पहुंचाने की धारा में मुकदमा दर्ज किया और आरोपी दिलशाद को गिरफ्तार कर लिया। आई लव मोहम्मद% कैंपेन को लेकर बरेली में पिछले सप्ताह हुई हिंसा के बाद अब शामली में गांव कुड़ाना निवासी दिलशाद ने अपनी छाती पर %आई लव मोहम्मद% लिखकर अपने गांव और शहर में प्रदर्शन किया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने पर पुलिस हरकत में आई। इस मामले में नगरपालिका के सभासद निशिकांत संगल की तहरीर पर पुलिस ने धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने की धारा में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गांव कुड़ाना निवासी दिलशाद ने अपनी छाती पर बड़े अक्षरों में %आई लव मोहम्मद% लिखा। उसने मंगलवार को गांव कुड़ाना में घूमकर प्रदर्शन किया। इसके बाद शामली शहर में हाथ में तिरंगा लेकर घूमते हुए प्रदर्शन किया। इस दौरान उसने रील के साथ वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। रात में यह मामला सोशल मीडिया पर वायरल होने पर पुलिस हरकत में आई और उसकी तलाश में जुट गई। उधर, इस मामले में मोहल्ला धर्मपुरा निवासी नगरपालिका के वार्ड 23 के सभासद निशिकांत संगल ने शहर कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि गन्ना समिति के पास दिलशाद ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया और हिंदू धर्म के प्रति आपत्तिजनक शब्द कहते हुए गालीगलौज की। इससे पहले आरोपी ने शहर के प्रमुख स्थानों पर वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। सभासद ने कहा कि आरोपी के इस कृत्य से धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। सभासद ने आरोपी के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने सभासद की तहरीर के आधार पर आरोपी के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर लिया। एसपी एनपी सिंह ने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

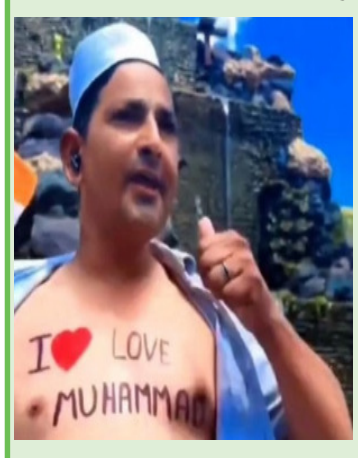

KYUN NA LIKHUN SACH
हिंदी अंग्रेजी दैनिक समाचार पत्र
दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
को आवश्यकता है उत्तर प्रदेश . उत्तराखंड मध्य प्रदेश ,दिल्ली ,बिहार पंजाब छतीसगढ़ राजस्थान आदि सभी राज्यों से रिपोर्टर,जिला ब्यूरो विज्ञापन प्रतिनिधि की
सम्पर्क करे-9027776991

नैडिहवा चौकी पुलिस की बड़ी कार्यवाही : चार चोर गिरफ्तार, 35 हजार नगदी बरामद

क्यूँ न लिखूँ सच/ अनुपम कुमार द्विवेदी /सिंगरौली सिंगरौली। पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पुन्नू सिंह परस्ते (प्रभारी) के पर्यवेक्षण तथा एसडीओपी चितरंगी राहुल सैयाम और थाना प्रभारी गढ़वा निरीक्षक विद्यावारिधि तिवारी के मार्गदर्शन में नैडिहवा चौकी पुलिस ने चोरी के मामले में बड़ी सफलता हासिल की है फरियादी आदर्श सिंह पिता जगत प्रताप सिंह निवासी माचीकला ने 27 सितम्बर 2025 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि रात 2 बजे उसके घर का ताला तोड़कर अज्ञात चोर 35 हजार रुपये नगद व सोने-चांदी के जेवरात ले गए इस पर थाना गढ़वा में अपराध क्रमांक 283/25 धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस दर्ज कर विवेचना शुरू की गई जांच के दौरान नैडिहवा पुलिस ने 29 सितम्बर को चार आरोपियों - सुनील बसोर (28) निवासी घोघरा, पवन कुमार बसोर (30) निवासी घोघरा, अनिल बसोर (23) निवासी बभनदेवा तथा रवी बसोर (23) निवासी महाव, जनपद घोरावल (उ.प्र.) को गिरफ्तार किया आरोपियों ने पूछताछ में तीन चोरी की वारदातें कबूल कीं पुलिस ने उनके कब्जे से 35 हजार रुपये नगद बरामद कर आरोपियों को न्यायालय में पेश कर दिया इस सफलता में थाना प्रभारी निरीक्षक विद्याविरिधि तिवारी, चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक मनोज सिंह, सहायक उपनिरीक्षक रमेश प्रसाद साकेत, प्रधान आरक्षक प्रमोद वैस, प्रआर अमजद खान, आरक्षक ओमप्रकाश शर्मा, पुष्पराज सिंह व धीरज की सराहनीय भूमिका रही।

मां शाकंभरी देवी अठठे मंदिर में मां दुर्गा अष्टमी के शुभ अवसर पर प्रसाद चढ़ाने के लिए भक्तों की उमड़ी भीड़

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ शामली नवरात्रे दुर्गा अष्टमी के शुभ अवसर पर मां शाकुंभरी देवी आठठे वाले मंदिर में दुर्गा अष्टमी का प्रसाद चढ़ाने के लिए मंदिर में उमड़ी भीड़ मां शाकुंभरी देवी बड़ा बाजार ठाकुरद्वारा के पास मां शाकुंभरी देवी भवन मंदिर में सुंदर-सुंदर बजान ढोल नगाड़ों के साथ मंदिर की सुंदर सजावट आज सुबह 2ः00 बजे से मां दुर्गा अष्टमी के शुभ अवसर पर मां शाकुंभरी देवी भवन पर प्रसाद चढ़ाने के लिए भक्तों की भीड़ लग गई मंदिर में भक्तों की इतनी भीड़ थी कि मंदिर कमेटी द्वारा भक्त जनों के लिए लंबी लाइन लगाई गई भक्त जनों को प्रसाद चढ़ाने के लिए मां शाकुंभरी देवी दर्शन करना आसान हो जाए मां जगदंबा के दर्शन भक्त जनों को हो जाए इस दुर्गा अष्टमी के जो भक्तजन नवरात्रों के 8 दिन व्रत रहते हैं वह आज दुर्गा अष्टमी पर पूजन पाठ कर्म शाकुंभरी देवी का भोग लगाकर अपना विधि विधान के साथ पूजा पाठ और कन्या पूजन के साथ व्रत खोलते हैं और अपने व्रत को पूर्ण करते हैं और मां जगदंबा की पूजा अर्चना विधि विधान के साथ किया जाता है

मिशन शक्ति फेज5.0 के अंतर्गत जनपद शामली में जिला पंचायत रिसोर्स सेंटर में आत्म रक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ शामली मिशन शक्ति फेज-5.0 के अन्तर्गत जनपद शामली में जिला पंचायत रिसोर्स सेन्टर में आत्मरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अन्तर्गत गठित स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आत्मरक्षा के विषय में बताया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रारम्भ श्री संदीप अग्रवाल जिला पंचायत राज अधिकारी द्वारा मिशन शक्ति 5.0 के विषय में मिशन शक्ति के अन्तर्गत होने वाले सभी कार्यक्रमों की जानकारी देकर किया। प्रशिक्षण में जवाहर नवोदय विद्यालय से श्री आशुतोष शर्मा द्वारा अपने विद्यालय की छात्राओं के माध्यम से स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को आत्मरक्षा के तरीको को विधिवत रुप से करके दिखाया गया। प्रशिक्षण में श्री अश्वनी त्यागी जिला क्रीडा अधिकारी द्वारा आत्मरक्षा के विषय में बताया कि कैसे स्वयं सहायता समूह की महिलाए आत्मरक्षा के तरीके सीखकर अपने आप को सुरक्षित रख सकती हैं। प्रशिक्षण में श्री प्रेम चन्द उपायुक्त स्वत: रोजगार द्वारा स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को बताया कि आत्म रक्षा का महिलाओं को आना कितना आवश्यक हैं। श्री प्रेम चन्द उपायुक्त स्वत: रोजगार द्वारा बताया कि अकेली महिला कैसे आत्मरक्षा के गुण सीखकर अपने आप को सुरक्षित रख सकती हैं। कार्यक्रम में पुलिस विभाग से प्रभा पटेल जी डिप्टी.एस.पी. द्वारा महिलाओं को सुरक्षा के विभिन्न तरीके एवं हेल्पलाईन नम्बरों के विषय में जानकारी दी एवं बताया कि मिशन शक्ति 5.0 नारी सुरक्षा सम्मान एवं स्वावलंबन के लिए शारदीय नवरात्र में आयोजित किया गया हैं। श्री हामिद हुसैन जिला प्रोबेशन अधिकारी द्वारा बताया गया कि मिशन शक्ति-6.0 महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलंबना के लिए आयोजित कार्यक्रम हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम में श्री प्रेम चन्द उपायुक्त स्वत: रोजगार, श्री हामिद हुसैन एसडीएम न्यायिक, प्रभा पटेल डिप्टी. एस.पी., श्री अश्वनी त्यागी उप क्रीडा अधिकारी, जिला प्रोबेशन अधिकारी श्री आशुतोष शर्मा सपोर्ट अधिकारी एवं श्री संदीप अग्रवाल जिला पंचायत राज अधिकारी शामली उपस्थित रहें।।

वन विभाग की लापरवाही से अन्नदाताओं का भारी नुकसान

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रदीप कुमार तिवारी डिप्टी मैनेजर संपादक/ हाथी महोत्सव के दूसरे दिन ही हाथियों का तांडव किसानों का भारी नुकसान उमरिया जिले के ब्लॉक मानपुर ग्राम पंचायत कछरा टोला के गांव कुम्हर्रा में ग्रामीणों की धान की खेती का नुकसान किया कुम्हर्रा उम्र 50 वर्ष 4 एकड़ में लगी धान द्वारा कर दिया गया किसान के अनुमान के है वहीं ललिता बाई पति बहोरन सिंह उम्र की फसल को जंगली हाथियों के द्वारा पूरी बताया गया कि मेरा एक लाख रुपए का सिंह के ढाई एकड़ में लगा कोदौ की फसल गया है अमर सिंह पिता नरवत सिंह डेढ़ के द्वारा पूरी तरह से नष्ट कर दिया गया है पूरी तरह से नष्ट हुई है उनके रोती बिलखती से यही मांग करते हैं कि हमारी फसल का जाए हमारा एक जीविका का साधन खेती है भरण पोषण करते हैं अगर शासन प्रशासन के द्वारा हमारे फसल के नुकसान का मुआवजा नहीं दिलाया गया तो हम किसान आत्महत्या कर लेंगे देश के अन्नदाता की आंखों में आंसू देख कर पत्रकार के द्वारा वन विभाग धमोखर रेंज के रेंजर सचिन सिंह पटेल को फोन लगाया गया जिससे फॉरेस्ट रेंजधमोखर के रेंजर सचिन सिंह पटेल के द्वारा किसानों को आश्वासन दिया गया कि जल्द से जल्द किसान के नुकसान की भरपाई विभाग के द्वारा मुआवजे के रूप में दिलाए जाने की अनुशंसा की जाएगी और जल्द से जल्द अन्नदाताओं को उनके फसल के नुकसान का मुआवजा दिलाया जाएगा फॉरेस्ट रेंजर सचिन सिंह पटेल के द्वारा किसानों से फोन पर संवाद करके उन्हें आश्वासन दिया गया फॉरेस्ट रेंजर सचिन सिंह पटेल के इस आश्वासन से गांव के किसानों के मन में आशा की किरण जागी और उनके छलकती हुई आंखों से आंसू रुके देश के अन्नदाताओं का शासन प्रशासन से निवेदन है कि जल्द से जल्द हमें हमारे नुकसान की भरपाई कराई जाए फॉरेस्ट रेंजर सचिन सिंह पटेल के द्वारा अपने स्टाफ के कर्मचारी मुंशी प्रेमलाल बैगा श्रमिक राकेश द्विवेदी अमन सिंह व गणेश सिंह को मौके पर मुआयना करने के लिए तुरंत भेजा गया वहीं राजस्व क्षेत्र के पटवारी प्रियांशु सिंह पटवारी हल्का कुम्हरॉ मौके पर पहुंच कर मौका पंचनामा बनाया और किसानों को आश्वासन दिया कि जल्द से जल्द आपके नुकसान की भरपाई शासन प्रशासन के द्वारा कराई जाएगी

1008 विव्रत सागर जी मुनिराज का प्रवचन का मुख्य विषय इस बात पर केंद्रित है जहां पर जीव पाप से बचना चाहिए

क्यूँ न लिखूँ सच/ राकेश गुप्ता/ शामलीआज दिगंबर जैन धर्मशाला में परम पूज्य वात्सल्य दिवाकर श्री 108 विव्रत सागर जी मुनिराज प्रवचन का मुख्य विषय इस बात पर केंद्रित है कि जहाँ हर जीव पाप से बचना चाहता है और पुण्य कमाना चाहता है, वहीं आत्मा को धर्मात्मा बनाता है। यह पुण्य के अस्थायी भी जीव पापी नहीं बनना चाहता, हर कोई पुण्य कमाना पुण्यात्मा। धर्म व्यक्ति को %धर्मात्मा% बनाता है। वंदन, भावना से किए जाते हैं। उनकी इच्छाएँ पूरी होती हैं (जैसे लेकिन ये भोग क्षणभंगुर होते हैं और अंततः दुःख का गया, नरक में चले गए)। पुण्य का जीवन अनिश्चित होता भोग नहीं, बल्कि वास्तविक शांति और आत्मिक उन्नति होता है। मुनिराज इस धारणा का खंडन करते हैं कि कोई जीवन की साधारण क्रियाएँ भी सूक्ष्म जीवों के प्रति हिंसा हिंसा), भोजन करना (वनस्पति काय, अग्नि काय जीवों सूक्ष्म जीव होते हैं (वैज्ञानिकों के अनुसार 36,450, (दोहरे कपड़े से, जिससे सूर्य की किरणें आर-पार न करने के लिए प्लास्टिक के पेड़ लगाने या ठीक से पानी न छानने जैसी औपचारिक और दिखावटी प्रथाओं की आलोचना की गई है। यह जोर दिया गया है कि ऐसी प्रथाएँ वास्तविक लाभ प्रदान नहीं करतीं, बल्कि दिखावा मात्र हैं। दान देने से पहले पात्र (प्राप्तकर्ता) का निर्धारण महत्वपूर्ण है।उत्तम पात्रः मुनिराज (जो स्वयं निर्दोष हैं और अपने लिए भोजन नहीं बनाते)। इन्हें दान देने से सर्वोत्तम फल (भोग भूमि) मिलता है।मध्यम पात्रः श्रावक (जो संयमित जीवन जीते हैं)। इन्हें दान देने से मध्यम फल मिलता है।जघन्य पात्रः अविरत सम्यक दृष्टि (जो साधारण गृहस्थ हैं और धर्म का पालन करते हैं)। इन्हें दान देने से जघन्य फल मिलता है। कुपात्रः जो भेष बनाकर साधु होने का ढोंग करते हैं और अपने स्वार्थ के लिए धर्म का उपयोग करते हैं। इन्हें दान देने से कुभोग भूमि (दुःख और कष्टों वाली भूमि) में जन्म मिलता है। अपात्रः जो इन तीनों श्रेणियों में नहीं आते, जैसे कि आम लोग जो धर्म का पालन नहीं करते। इन्हें दान देने से कोई फल नहीं मिलता, बल्कि कर्मों का बंधन हो सकता है। भोजन बनाते समय भावना शुद्ध होनी चाहिए कि यह भोजन स्वयं की आत्मा के लिए शुद्ध और निर्दोष हो।सबसे पहले स्वयं सुपात्र बनने का प्रयास करें। यदि कोई मुनिराज या सुपात्र भोजन ग्रहण कर ले, तो भोजन में लगे पाप कर्मों का क्षय हो जाता है। घर के सभी सदस्यों को सम्यक् दर्शन के धारी बनाना चाहिए, ताकि घर का भोजन भी निर्दोष हो केजाए। संक्षेप में, यह प्रवचन केवल पुण्य कमाने के बजाय धर्मात्मा बनने, सूक्ष्म हिंसा से बचने के लिए दैनिक जीवन में सावधानी बरतने (जैसे पानी छानना) और सही पात्र को दान देकर अपने कर्मों को शुद्ध करने पर जोर देता है। आज का चित्र अनावरण एवं दीप प्रज्वलन अनिल जैन ममता जैन राजघराना परिवार पाद प्रक्षालन सम्यक जैन अरुण जैन द्वारा शास्त्र भेंट ममलेश जैन रेशु जैन द्वारा किया गया।।

संक्षिप्त समाचार

62वीं वाहिनी एसएसबी, भिनगा में नवरात्रि के नवें दिन हवन, पूजन, आरती एवं भंडारे का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावास्ती 62वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, भिनगा के मंदिर परिसर में नवरात्रि के नवें दिन मां दुर्गा जी की हवन पूजन, आरती एवं भंडारे का आयोजन बड़े ही श्रद्धा और उत्साह के साथ किया गया। यह कार्यक्रम अमरेन्द्र कुमार वरुण, कमान्डेंट 62वीं वाहिनी एसएसबी भिनगा के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों, जवानों एवं उनके परिवारजनों ने भक्तिभाव से सहभागिता की। हवन एवं पूजन के पश्चात सामूहिक आरती की गई और तत्पश्चात भंडारे का आयोजन हुआ, जिसमें सभी अधिकारियों, जवानों एवं परिवारजनों ने प्रसाद ग्रहण किया। कमान्डेंट अमरेन्द्र कुमार वरुण ने इस पावन अवसर पर उपस्थित सभी जवानों एवं उनके परिवारजनों को नवरात्रि एवं रामनवमी की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह पर्व हमें शक्ति, एकता और सेवा भावना का संदेश देता है तथा सभी को राष्ट्र की सुरक्षा एवं समाज की सेवा के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा प्रदान करता है।

मोटरसाइकिल व साइकिल की टक्कर, चार घायल

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती जमुनहा-बहराइच मार्ग पर मोटर साइकिल और साईकिल की भिड़ंत हो गई। हादसे में चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सीएचसी मल्हीपुर ले जाया गया, जहां से तीन की हालत गंभीर देख चिकित्सकों ने जिला अस्पताल भिनगा रेफर कर दिया। ग्राम पंचायत लक्ष्मनपुर गंगापुर के मजरा लक्ष्मनपुर निवासी विक्रम (30) पुत्र आशाराम साइकिल से जमुनहा-बहराइच मार्ग स्थित साइनबोर्ड पर नाई की ढाबली पर बाल कटवाने जा रहे थे। उसी दौरान बहराइच जनपद के थाना नवाबगंज के मजगवां गांव निवासी दुर्गा जायसवाल (22) पुत्र राममनोहर बाइक से जमुनहा की ओर आ रहे थे। साइनबोर्ड के पास आमने-सामने टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार दुर्गा जायसवाल के साथ बैठे मंजीत जायसवाल (16) पुत्र दिनेश कुमार और उनकी पत्नी नीलम देवी (20) सड़क पर गिरकर घायल हो गए। वहीं साइकिल सवार विक्रम भी गंभीर रूप से जख्मी हो गए। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस ने घायलों को सीएचसी मल्हीपुर पहुंचाया। यहां प्राथमिक उपचार के बाद विक्रम, दुर्गा जायसवाल और नीलम देवी को जिला अस्पताल भिनगा रेफर कर दिया गया। जबकि मंजीत जायसवाल का इलाज सीएचसी में चल रहा है।

चारा काटने गए युवक पर आकाशीय बिजली गिरने से हुई मौत

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रेमचंद जायसवाल / श्रावस्ती के नवीन मॉडर्न थाना श्रावस्ती क्षेत्र अंतर्गत फत्तूपुर तनाजा गांव में सुबह जानवरों के लिए खेत से चारा लेने गए युवक पर आकाशीय बिजली गिरने से उसकी दर्दनाक मौत हो गई। अमरनाथ यादव पुत्र रिखीराम यादव जो सुबह गांव के बाहर खेत में चारा काटने के लिए गया हुआ था तभी अचानक मौसम के बदलते मिजाज के बीच बारिश होने लगी। इसी दरमियान आकाश में बिजली चमकते की तेज करकड़ाहट के साथ आकाशीय बिजली गिरी जिससे युवक की मौके पर मौत हो गई। सूचना पाते ही परिवार में कोहराम मच गया। वही मौके पर पुलिस ने पहुंचकर कार्रवाई शुरू की।

दैनिक अखबार क्यूँ न लिखूँ सच को जिला एवं तहसील स्तर पर ब्योरो संवाददाता व विज्ञापन प्रतिनिधि चाहिए
9027776991
knlslive@gmail.com

Heart disease cases are rapidly increasing in cities, doctors explain the main reasons

The number of heart disease patients is rapidly increasing in urban areas and metro cities. The biggest reason for this is our changing lifestyle. Previously, people were more physically active, worked harder, and experienced less stress. Heart disease remains the leading cause of death worldwide. According to 2023 data, more than 19.2 million people died due to cardiovascular diseases (CVD) this year. Experts have expressed concern that the risk is increasing year after year. As people's daily routine and habits are changing, the risk of heart disease may increase further. Heart disease is also becoming a major challenge in the Indian population. Medical reports indicate that people living in urban areas, especially metro cities, are experiencing more heart health problems. According to The India Inc. Heart Index report published in September 2025, there has been a 40 percent increase in heart disease cases among residents of major metro cities in the last three years. Of these, office professionals account for the highest number of cases. Why are heart problems increasing in the urban population and what measures can be taken to prevent them? Let's understand this. Heart disease cases are increasing in urban areas. Health experts say that the number of heart disease patients is increasing rapidly in urban areas and metro cities. The biggest reason for this is our changing lifestyle. Earlier, people were more physically active, worked harder, and had less stress. But now, work habits, eating habits, sleep, and stress have all changed. The lifestyle of people living in metro cities is completely different from that of villages or small towns. Working all day in the office, being stuck in traffic for hours, staying up late at night, and eating fast food directly affect heart health. What is the reason for the increasing heart disease? During the study, health experts tried to understand the factors that are deteriorating the heart health of professionals. Lack of physical activity was one of the major reasons identified in the report. 65 percent of employees spend less than 30 minutes a day engaging in any type of physical activity. Furthermore, prolonged sedentary work has been shown to have a direct impact on heart health. Experts found that most employees use elevators instead of stairs and use vehicles instead of walking to get household items. All of these factors reduce physical activity and can contribute to heart disease. These factors also need attention. Furthermore, urban residents have a higher intake of junk food and processed foods compared to rural residents. These foods contain high amounts of trans fat, salt, and sugar, which gradually deposit plaque in the arteries, obstructing blood flow and putting additional strain on the heart. Stress is also a common problem in cities. Chronic stress increases cortisol and adrenaline, which can lead to abnormal heart rhythms and blood pressure. This condition, if prolonged, creates the risk of heart disease. What should we do to prevent heart disease? Doctors say that if we take some precautions in time, heart disease can be prevented. First of all, it is important to have a healthy lifestyle. Make it a habit to walk briskly or exercise for at least 30 minutes daily; this strengthens the heart. Improving your diet is also important. Eat a balanced diet that includes fresh fruits and vegetables, whole grains, and dried fruits. Also, stay away from fried and processed foods. Reduce stress to reduce the risk of heart disease. Yoga, meditation, and adequate sleep can be helpful. If you have blood pressure, diabetes, or cholesterol problems, get regular checkups with your doctor.

Don't take bleeding gums lightly; they could be the early signs of these diseases.

Bleeding gums is a very common problem, which almost everyone experiences at some point. If it's short-term, it's fine to ignore, but if it persists for a long time, it could be a sign of a serious illness. Mild bleeding from the gums while brushing or eating something hard is a very common problem that people often ignore. Most people ignore it, thinking it's normal or the result of brushing too hard. However, in most cases, it's caused by gum inflammation, which is caused by poor oral hygiene. However, health experts believe that if your gums are bleeding continuously and without any reason, it shouldn't be taken lightly. In some cases, it could be an early sign of a serious illness, which requires timely attention. Let's explore this in detail in this article. Gingivitis - The most common cause of bleeding gums is gingivitis, also known as gum inflammation. It's caused by the accumulation of plaque (a sticky layer) on the teeth, leading to infection, swelling, and redness, and bleeding when brushing. Fortunately, this problem can be completely cured by regular brushing twice a day, flossing, and dental cleanings. Vitamin deficiencies - Bleeding gums can also occur due to a deficiency of certain vitamins. Vitamin C deficiency (scurvy) is a major cause, as it helps maintain healthy gum tissue. Vitamin K deficiency can also be a major factor, as it is essential for blood clotting. This deficiency increases the tendency for bleeding to occur from anywhere in the body. Diabetes and Liver Problems - Persistent bleeding gums can also be a sign of uncontrolled diabetes. High blood sugar reduces the body's ability to fight infection, weakening the gums and making them more susceptible to infection and bleeding. Liver diseases can also be a contributing factor, as the liver produces blood-clotting proteins. Sign of Blood Cancer - In severe cases, excessive bleeding gums can be an early symptom of a serious illness like leukemia (blood cancer). In leukemia, cancer cells prevent the formation of platelets (which help blood clot). A platelet deficiency can cause symptoms like bleeding gums, nosebleeds, and easy bruising of the skin. Therefore, if the bleeding persists and is accompanied by fatigue or weakness, consult a doctor immediately.

Alert of an 'epidemic' of liver diseases, doctors reveal the habit that increases the risk

According to a World Health Organization (WHO) report, approximately 2 million people die each year from liver-related diseases. Rising cases of cancer and heart disease are already causing concern, while health experts have now warned people about the potential for an epidemic of liver diseases. It would not be wrong to say that we are becoming our own enemies. The way lifestyle and dietary restrictions have increased the risk of various diseases in recent years is very worrying. Health experts say that even younger people are falling prey to chronic diseases, which is even more dangerous. If this trend continues, a large portion of the country's population could become ill within the next three to four decades, which will not only put additional pressure on health services but also harm the country's economic development. According to a World Health Organization (WHO) report, approximately 2 million people die each year from liver-related diseases. While rising cases of cancer and heart disease are already causing concern, health experts are now warning people about the potential liver disease epidemic. Liver diseases are also a serious health concern in India, where cases of non-alcoholic fatty liver disease (NAFLD) have risen sharply in recent years. Due to obesity and sedentary lifestyles, it affects an estimated 38% of adults and 35% of children. Hepatitis B and C infections are also a major cause. However, the one habit that experts are most concerned about is alcohol. Alcohol consumption is being cited as a major cause of a potential liver disease epidemic. Incidence of liver diseases is on the rise - Numerous studies show that liver diseases have increased rapidly in recent years. Researchers have stated that alcohol consumption, even moderate drinking, is causing the most damage to the liver. Researchers studying liver diseases have found that alcohol consumption poses the greatest threat from a public health perspective. If this is not addressed, a large part of the world's population could suffer from liver diseases in the coming decades, leading to an epidemic. Alcohol is the enemy of the liver. Liver health is essential for human survival. The liver contributes to food metabolism and storage, produces proteins that help with blood clotting, and plays a vital role in the immune system. Alcohol is a toxic substance whose metabolism occurs primarily in the liver. Frequent or excessive alcohol consumption has been shown to increase inflammation in liver cells and, in severe cases, damage them. Over time, inflammation or damaged cells can lead to fibrosis, which can result in cirrhosis or liver failure. Cirrhosis itself is fatal and can also cause liver cancer. How does alcohol contribute to liver disease? Alcohol-related liver disease is called alcohol-related liver disease. Evidence suggests that long-term alcohol consumption, even in small amounts, can impair liver function and lead to serious illness. Over the past two decades, deaths from liver disease have increased dramatically in Canada and the United States. Studies have found that this is primarily due to increased alcohol consumption during this period. Increasing Fatty Liver Incidence in the Indian Population - During an event in July 2024, Union Minister Dr. Jitendra Singh stated that one in three people in India may be affected by fatty liver disease. People suffering from fatty liver disease are advised to avoid alcohol altogether. However, even non-drinkers are at risk of developing fatty liver. Therefore, lifestyle modifications are essential. Health experts say that everyone needs to be vigilant about their liver health from a young age. Along with lifestyle modifications, abstaining from alcohol is crucial.

"Why did this happen? Give us answers," Zubeen Garg's wife Garima raised several questions, demanding a proper investigation.

Garima Saikia, wife of the late singer Zubeen Garg, has demanded a proper investigation into his death. Addressing the media on Monday, she raised several questions. "I want justice, give us answers, why did this happen?" "I want justice," she said. "How did this happen?" "What happened in his last moments?" "Why wasn't he pulled out of the water?" These are the questions posed by Garima Saikia, wife of the late singer Zubeen Garg, who is demanding a proper investigation into her husband's death. Eleven days of rituals have passed since the late singer's death, but answers remain unanswered. Addressing the media on Monday, Garima posed several questions. How could this negligence be possible? - According to news agency PTI, Zubeen Garg's wife, Garima Saikia Garg, said on Monday that the family wants to know what happened in his final moments that led to his death. A proper investigation is needed. Speaking to reporters after the singer's eleventh-day rituals, Garima said, "We want to know what happened to him. Why did this happen, and how could this negligence happen? We want answers." Zubeen's wife said, "Manager Siddharth knew that..." Garima further said that those who were with Zubeen on the yacht and at the event before his death should answer. She said, "If they knew he was in no condition to swim, why didn't they pull him out of the water? They could have done so, because it was very easy to distract him." Garima explained that his manager, Siddharth Sharma, knew Zubeen should not go near water or fire, as it could trigger an epileptic seizure. The late singer's wife said, "I want justice! I want a proper investigation and answers to all our questions. I have full faith in the investigation process." Zubeen's phone hasn't been found yet. Garima Saikia said the family hoped his companions would take care of him, but now they realize they haven't. When asked if Zubeen took his doctor's prescribed medication, his wife said she didn't know if he did, but that his medication was sent with him from Singapore when he traveled there. She said, "Since his stroke in August 2024, he has taken only one medication, and I made sure he had his medication with him wherever he went—whether at home, in the car, or in the studio." She added that she hasn't found the singer's mobile phone yet. Regarding the yacht trip, Garima Saikia said Zubeen Garg spoke to her on the day of the incident and made no mention of planning a yacht trip. "He was usually very enthusiastic about these things. I'm surprised he didn't talk about this. Perhaps he wasn't even aware of it," she said. Garima also thanked the people of the entire state for standing firmly with the family during this difficult time. Request to Home Ministry for Legal Aid Treaty with Singapore - The Assam government has also requested the Home Ministry to invoke the Mutual Legal Assistance Treaty with Singapore in the Zubeen Garg death case. According to news agency PTI, Assam Chief Minister Himanta Biswa Sarma said on Monday that the Assam government has submitted a formal request to the Ministry of Home Affairs (MHA) to invoke the Mutual Legal Assistance Treaty (MLAT) with Singapore in connection with the death of singer Zubeen Garg in the Southeast Asian country. "Once the treaty is in place, it will ensure full cooperation from the Singapore authorities, giving us access to case details and helping bring back the accused and ensure justice," Sarma wrote in a post shared on Instagram.

Anupama will fulfill Devika's unfulfilled wishes, a new journey of friendship will begin.

A new track is being seen in the serial 'Anupama'. When Anupama learns about her friend Devika's cancer, she is devastated. Now she wants to fulfill Devika's unfulfilled wishes. Rupali Ganguly plays the lead role in the serial 'Anupama'. The serial tells the story of Anupama, an ordinary housewife, whose storyline is woven around her relationships and dreams. Recently, Anupama learns about her friend Devika's cancer. She is initially emotional, but after reading a diary, she wants to fulfill her friend's unfulfilled wishes. Anupama finds Devika's bucket list diary - In the promo of the upcoming episode of 'Anupama', Anupama finds a diary that belongs to Devika. Devika has written her bucket list, i.e., wishes, in it. She couldn't fulfill these desires throughout her life. But Anupama now wants to fulfill them. She wants to give every happiness to her friend Devika, who is battling cancer. Devika becomes emotional - When Anupama talks about completing Devika's bucket list in front of everyone, Devika becomes emotional. Anupama says, "Devika, I will complete your bucket list. No planning, no booking, just go on a trip like this." Many members of the house will also support Anupama in this task. 'Anupama' again tops the TRP list - Anupama remains number one in this week's TRP list. Due to its family drama, it often tops the TRP charts. This serial has been telecast on TV for five years and has undergone several leaps so far.

Is a sequel to Kareena, Kriti, and Tabu's "Crew" in the works? Amidst the rumors, the makers have released an official statement.

Fans are eager to know if a sequel or sequel to last year's film "Crew" is in the works. Now, the makers have released a statement regarding this. For the past few days, various rumors have been circulating regarding a sequel to Kareena Kapoor, Tabu, and Kriti Sanon's film "Crew." These rumors suggest that the makers are working on a sequel to "Crew" and will announce it soon. However, amid these discussions, an official statement has now been issued by the makers of "Crew" and producer Rhea Kapoor regarding the sequel. Makers say they will share when the time comes. In an official statement issued by the makers, Rhea and her production house, Anil Kapoor Films and Communications Network, stated that any news regarding "Crew" 2 or their other films will be shared in due course. The statement read, "We are grateful for the love, curiosity, and appreciation Crew has received worldwide. On behalf of Anil Kapoor Film and Communication Network, we heartily congratulate Kareena Kapoor Khan, Tabu, and Kriti Sanon for the recognition and nominations being received for their performances. Any information regarding the future, including where the world of Crew will move forward and what stories will emerge, will be shared by AKFCN at the appropriate time, when the time and stories are ready. "Crew" was a box office success. A statement issued by the makers makes it clear that there are currently no plans for a sequel or sequel to "Crew." These rumors are merely rumors. Directed by Rajesh A. Krishnan, "Crew" was released in 2014. It tells the story of three air hostesses who become involved in a gold smuggling business. The film stars Kareena Kapoor Khan, Tabu, and Kriti Sanon in lead roles. Diljit Dosanjh and Kapil Sharma also play important roles in the film. This film was a success at the box office.